

आज

बेबाक

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मन गया। जो लोग साल भर सूर्योदय नहीं देख पाते, वे भी एक दिन फोटो खिंचाने सुबह सबेरे जाग कर योगासन करते नजर आये। वैसे असली योगी भी हैं, जो साल भर चौबीसों घंटे योग करते रहते हैं। इन योगियों के आसन को समझने के लिए दिव्य दृष्टि की जरूरत होती है। जैसे योगाचार्य, पलटुराम जी का पलटासन। परम ज्ञानी घुघरू सेठ का हटासन, घड़ी वाले बाबा जी का जोड़ोड़ आसन, साध्वी दीदी का क्रोधासन, स्वामी अखिलेशानंद जी का बड़बोलासन। देखना दिलचस्प होगा कि ये सारे योगी मिलकर विश्व गुरु को शीर्षासन करा पाते हैं या नहीं।

//-- सुविचार --//

रास्ता सही होना चाहिए, क्योंकि कभी-कभी मंजिल रास्तों में मिल जाती है।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:04 प्रातः

अस्त : 06:38 संध्या

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.0	24.0
जमशेदपुर	36.0	26.0
हजारीबाग	35.0	23.0
डालटनगंज	37.0	27.0

संक्षिप्त खबरें

मंत्री विजय चौधरी के उद्योगपति साले के ठिकानों पर छापामारी बेगूसराय। केन्द्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एवं आयकर विभाग के अधिकारियों की टीम ने आय से अधिक संपत्ति एवं टैक्स चोरी का इनपुट मिलने पर बेगूसराय निवासी उद्योगपति पर गुरुवार की सुबह से बड़ी कार्रवाई कर रही है। ईडी एवं आयकर विभाग के अधिकारियों की टीम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी मंत्री विजय चौधरी के साला अजय कुमार सिंह उर्फ कारू सिंह के बेगूसराय स्थित आवास एवं फैक्ट्री समेत पांच जगहों के अलावा दिल्ली एनसीआर सहित देश में कई अन्य जगह छापेमारी चल रही है।

अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की ताजा तस्वीरों की गयीं जारी

सियासत

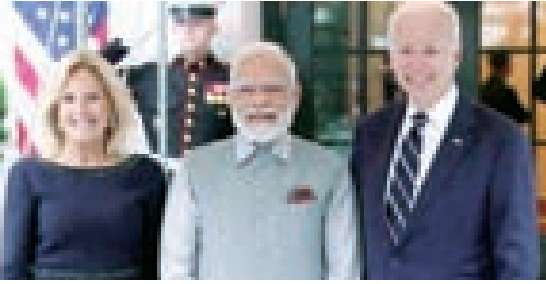
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लालू के पैर छूकर बोलीं अभी बहुत तगड़े हैं, भाजपा से लड़ सकते हैं

पटना : किडनी ट्रांसप्लांट के बाद भारत लौटे राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने महागठबंधन की बैठक को ऑनलाइन संबोधित कर जो तेवर दिखाए थे, उससे ही लग रहा था कि बिहार फिर देश की राजनीति का केंद्रबिंदु बनेगा। विपक्षी एकता के लिए 23 जून को होने वाली बैठक में लालू की सक्रियता खुलकर सामने आ रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी विपक्षी एकता के लिए बुलायी गयी बैठक के लिए पटना आयीं तो राजद अध्यक्ष से मिलने पहुंच गयीं। मिलने के बाद उन्होंने लालू की सेहत और जल्द पर खुलकर चर्चा की। ममता बनर्जी ने कहा- लालू प्रसाद देश में काफी सीनियर लीडर हैं। वे बहुत दिन जेल में थे। उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। लेकिन, आज उनसे बात

समझौता. अब भारत में ही बनेंगे लड़ाकू विमान, जीई-एचएल के बीच करार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच फाइटर प्लेन के इंजन बनाने का समझौता हो गया है। जीई ने इसको लेकर हुए एमओयू की जानकारी दी है। जीई के मुताबिक भारत में बनने वाले फाइटर प्लेन इंजन का इस्तेमाल इंडियन एयरफोर्स करेगी। जीई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौर के ऐतिहासिक बताया है। इधर न्यूज एजेंसी एएनआई ने व्हाइट हाउस के हवाले से जानकारी दी है कि राष्ट्रपति

जो बाइडेन और प्रधानमंत्री मोदी के साझा बयान में भारत को हथियारबंद ड्रोन बेचे जाने का ऐलान होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौर के दूसरे दिन बुधवार को रात करीब 9 बजे (अमेरिकी समय के मुताबिक) प्राइवेट डिनर के लिए व्हाइट हाउस पहुंचे। यहां राष्ट्रपति बाइडेन और फ स्ट लेडी ने उनका स्वागत किया। डिनर में भारतीय एनएसए अंजित डोभाल और अमेरिका के एनएसए जेक सुलिवन मौजूद थे। डिनर मेंयू जीआई एएनआई ने व्हाइट हाउस के आइसक्रीम शामिल थी। पीएम मोदी



ने उन्हें मैसूर के चंदन से बना एक खास बॉक्स गिफ्ट दिया, जिसे जयपुर के कारीगरों ने बनाया है। इस बॉक्स के अंदर भगवान गणेश की एक मूर्ति और एक दिये के साथ छोटी-छोटी डिब्बियों में 10 गिफ्ट्स हैं। ये सभी गिफ्ट्स भारतीय परंपरा के मुताबिक तय किये गये हैं।

गिफ्ट किया 10 दानम का बॉक्स

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन को दस दानम की भेंट दी है। दस दानम के तहत एक हजार फु ल मून देखने वाले व्यक्ति को 10 चीजें गिफ्ट की जाती हैं। कैलेंडर कैलकुलेशन के मुताबिक किसी भी व्यक्ति की उम्र 80 साल 8 महीने होने पर वह एक हजार पूर्णिमा के चांद (फुल मून) देख चुका होता है। बाइडेन लगभग इसी उम्र के हैं। नवंबर में वे अपना 81वां जन्मदिन मनाएंगे। पीएम मोदी ने बाइडेन को चंदन की लकड़ी से बने बॉक्स में दस दानम के प्रतीक दिए हैं। इस बॉक्स के अंदर चांदी के दस छोटे डिब्बे हैं।

नेशनल साइंस फाउंडेशन पहुंचे मोदी

इससे पहले भारतीय समय के मुताबिक, बुधवार देर रात करीब 1:30 बजे, पीएम मोदी ने जिल बाइडेन के साथ अलेक्जेंड्रिया (वर्जीनिया) में नेशनल साइंस फाउंडेशन का भी दौरा किया। मोदी ने कहा- भारत और अमेरिका, दो ऐसे इन्क्लूसिव देश हैं, जो सस्टेनेबल ग्रोथ का इंजन बनेंगे। इस दौरान अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू और भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी भी मौजूद रहे। मोदी ने अमेरिका और भारत के छात्रों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा- मुझे बेहद खुशी है कि यहां आते ही मुझे इतने युवा और क्रिएटिव लोगों से जुड़ने का मौका मिला। जिल बाइडेन ने इतना व्यस्त होने के बावजूद इस कार्यक्रम का आयोजन किया, मैं इसके लिए आभारी हूं। उनके साथ शामिल होना सम्मान की बात है।

हर वर्ष पांच आदर्श पंचायत के पंचायत सचिवों को पूरे परिवार के साथ विदेश दौरा कराने का मुख्यमंत्री ने किया एलान

2550 युवाओं को सौंपा नियुक्ति पत्र, चेहरे पर दिखी खुशी

युवाओं के सपने हो रहे साकार : हेमंत

पंचायती राज विभाग में 1633, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग में 707, वित्त विभाग में 166 एवं खाद्य आपूर्ति विभाग में 44 नियुक्ति

नव प्रदेश संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों गुरुवार को 2550 युवाओं को जब नियुक्ति पत्र मिला तो उनकी खुशियां देखते ही बन रही थीं। अक्सर था मोरहाबादी मैदान, रांची में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 1633 सचिव एवं राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग में 707, वित्त विभाग में 166 और खाद्य आपूर्ति विभाग में 44 निम्न वर्गीय लिपिकों को नियुक्ति पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्तों से कहा- सरकार के अंग के रूप में आपके जुड़ने से व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। विकास योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और सरकारी कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता तथा प्रभावशीलता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने समारोह के मंच से ऐलान किया कि सरकार हर वर्ष चयनित होने वाले पांच आदर्श पंचायतों के पंचायत सचिवों को पूरे परिवार के साथ विदेश दौरा कराएंगे। उन्होंने पंचायत सचिवों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि आप अपने पंचायत के सिर्फ पंचायत सचिव ही नहीं बल्कि उसके बीड़ीओ- सीओ डीसी-एसपी सब कुछ है। आप ऐसा कार्य करें कि आपकी पंचायत पूरे राज्य और देश के लिए मिसाल बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी नियुक्ति सरकार को ऊर्जा देती है। ऐसे में सरकार जिस मकसद के साथ कार्य करना चाहती है उसमें आपका सहयोग बेहद जरूरी



है। आपको जो जिम्मेदारी दी जा रही है उसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाएं और राज्य को गरीबी, अशिक्षा और पिछड़ेपन के कुचक्र से बाहर निकालने का काम करें। आप एक कदम चलेंगे तो सरकार सौ कदम चलने को हमेशा तैयार रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान हालात और अनेक चुनौतियों के बाद भी नई पीढ़ी को रोजगार देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे वह शिक्षित हो या अशिक्षित। इसी कड़ी में बड़े पैमाने पर सरकारी विभागों में नियुक्तियां हो रही हैं, तो निजी क्षेत्र में भी हजारों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के माध्यम से व्यवसाय

करने के इच्छुक युवाओं को सरकार के द्वारा अनुदान आधारित ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। आप सरकार की योजनाओं से जुड़े और अपने को स्वावलंबी बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में युवाओं को रोजगार देने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। अब तक हजारों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जा चुका है। इनमें इंजीनियर, डॉक्टर, पशु चिकित्सक, अनुसूच चिकित्सक, कृषि पदाधिकारी, खेल पदाधिकारी, शिक्षक, फॉरेंसिक विशेषज्ञ और नर्सिंग समेत कई पदों पर बड़े पैमाने पर नियुक्तियां शामिल हैं। युवाओं के सपने को साकार करने का हमारी सरकार ने संकल्प लिया है।

नियुक्तियों का सिलसिला जारी रहेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्तियों का जो सिलसिला शुरू हुआ है, वह लगातार जारी रहेगा। आने वाले दिनों में बड़े पैमाने पर शिक्षक, पुलिस और सरकारी विभागों में खाली पड़े अन्य पदों पर नियुक्तियां होंगी। इस सिलसिले में विभिन्न आयोगों के द्वारा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहले जहां एक-एक नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने में कई वर्ष लग जाते थे। वहीं, हमारी सरकार में रिकॉर्ड समय में नियुक्तियां हो रही हैं। सबसे खास बात है कि आज किसान- मजदूर और गरीब तबके के युवाओं का अधिकारी बनने का सपना पूरा हो रहा है।

सामाजिक सुरक्षा देने का हो रहा प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का एक ऐसा राज्य है, जो हर व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ना सिर्फ सरकारी कर्मियों की पुगनी पेंशन योजना को लागू करने जा सरकार ने ऐतिहासिक काम किया है, वहीं सर्वजन पेंशन योजना के माध्यम से सभी बुजुर्गों, विधवाओं, परित्यक्ताओं और दिव्यांगों को पेंशन देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेंशन किसी भी व्यक्ति के बुढ़ापे की लाठी होती है और सरकार उसे हर हाल में देने का काम करेगी।

पंचायतों को बेहतर बनाने का लें संकल्प

ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा ग्रामीण विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे में पंचायतों के सशक्तिकरण से गांव की सरकार मजबूत बनेगी। इसमें पंचायत सचिवों की अहम जिम्मेदारी होगी। पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधियों को सहयोग करने के लिए आपको निवृत्त किया जा रहा है। ऐसे में पंचायतों को बेहतर से बेहतर बनाने का संकल्प लें। इसके अलावा पंचायतों के आधुनिकीकरण की दिशा में भी सरकार आगे बढ़ रही है।

चारधाम : 30 लाख यात्री पहुंचे, 47 लाख पंजीकरण

देहरादून। चारधाम यात्रा पर रिकॉर्ड तीर्थयात्रियों के आने से स्थानीय लोग प्रफुल्लित हैं। अब तक 30 लाख 27 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने चार धाम में दर्शन कर चुके हैं। इनमें अकेले केदारनाथ में 10 लाख 29 हजार से अधिक यात्री पहुंचे हैं। चार धाम आने के लिए अब तक 47 लाख से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है। इस वर्ष चारधाम यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। रिकार्ड संख्या में श्रद्धालुओं का आना रोजगार और स्वरोजगार के लिहाज से उपयोगी साबित हो रहा है। चारधाम यात्रा बुलेटिन के मुताबिक 21 जून रात्रि बजे तक केदारनाथ में 10 लाख 29 हजार 884 लोग और



बदरीनाथ में 8 लाख 98 हजार 221 यात्री, रंगोत्री

5 लाख 41 हजार 287, यमुनोत्री धाम में 4 लाख 69 हजार 378 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा हेमकुंड साहिब में भी 88 हजार 455 तीर्थयात्री आ चुके हैं। अभी चारधाम यात्रा नवंबर तक चलेगी है। ऐसे में इस साल श्रद्धालुओं के आने का नया रिकॉर्ड बनने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार सबसे अधिक 35 लाख 99 हजार 938 श्रद्धालुओं ने वेब पोर्टल, 8 लाख 96 हजार 103 लोगों ने मोबाइल एप और 2 लाख 94 हजार 220 लोगों ने व्हाट्सअप के माध्यम से पंजीकरण कराया है। इस प्रकार अब तक कुल 47 लाख 90 हजार 661 लोगों ने चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण कराया है।

विपक्षी दलों की बैठक आज, पहुंचेंगे राहुल

पटना। बिहार में शुक्रवार को होने वाली विपक्षी एकता की बैठक में राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पधरेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने इसकी पुष्टि की है। अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि उनके स्वागत की तैयारी पूरी कर ली गई है। 12 प्वाइंट पर राहुल गांधी का पटना में होगा स्वागत किया जाएगा, इसकी तैयारी यूथ विंग ने की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सिंह ने बताया कि पटना एयरपोर्ट से लेकर कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम तक एक दर्जन प्वाइंट उनके स्वागत के लिए बनाए गए हैं। एयरपोर्ट स्टेट हैयर से ही उनके स्वागत की शुरुआत हो जाएगी। इसके बाद एलजेपी ऑफिस के पास, चिड़ियाघर के गेट नंबर-2 के पास, अंडरपास, जहां मंत्री विजय चौधरी का आवास है वहां पर, राजवंशी नगर हनुमान मंदिर के



पास, नेहरू मूर्ति के पास, पंत भवन, बिहार म्यूजियम, बोरिंग रोड चौराहा, पंचमुखी मंदिर, राजपुर पुल, गोसाईं टोला होते हुए सदाकत आश्रम तक ये प्वाइंट बनाए गए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि कांग्रेस तो मोहब्बत की दुकान ही है, यह हमेशा से प्रेम, सहिष्णुता की पार्टी रही है। गुलाब के फूलों से राहुल गांधी का स्वागत होगा। ढाई सौ किलो गुलाब का फूल मंगाया गया

है। यहीं से विपक्षी एकता का बिगुल फूंका जाएगा। कांग्रेस प्रवक्ता असित नाथ तिवारी कहते हैं कि 20 हजार लोगों के लिए सदाकत आश्रम में बड़ा इंतजाम किया जा रहा है। राज्य भर से कांग्रेस के कार्यकर्ता पटना आ रहे हैं। सभी में खासा उत्साह है। राहुल गांधी का 70 फीट का कट-आउट लगाया जा रहा है। बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की मूर्ति बनारस से मंगाई गई है। यह सफेद संगमरमर से बनाई गई है। इसका अनावरण राहुल गांधी करेंगे। सदाकत आश्रम के पीछे वाले मैदान में 80 बाय 7 का स्टेज बन चुका है। यहां बनाए गए टेंट में 10 हजार कुर्सियां लगायी जा रही हैं। वीआपी के लिए अलग से सोफे होंगे। इसमें 150 पंखे 10 एयर कंडीशनर, 56 डेजेंट कूलर लगाए जा रहे हैं। मरीन ड्राइव पर भव्य पोस्टर लगाया गया है।

एक नजर

तैलिक समाज के अध्यक्ष ने वर्षो से अलग रह रहे पति-पत्नी को मिलाया

समाज को दिया दहेज नहीं लेने का संदेश

रातृ। झारखंड तैलिक साहु सभा के प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो ने अध्यक्ष बनने के साथ ही समाज की कुर्तितियों को जड़ से मिटाने का काम शुरू कर दिया है।महेश महतो ने गुरूवार को रातृ स्थित आवास में सामाज के गणमान्य लोगों के साथ एक बैठक की।बैठक में साहलन गांव की एक लड़की एवं बुडूमा का लड़का शादी के बाद दोनो पिछले कई वर्षों से आपसी मतभेद के कारण अलग रह रहे थे।गांव के लोगों ने बात को समाज के अध्यक्ष के सामने रखी और दोनो को आपस में मिलाने की बात कही।महेश महतो ने तैलिक साहु सभा के द्वारा बैठक करके दोनो पक्षों को समझा बुझा कर आपस मिलाया।दोनो बिछडे पति-पत्नी ने समाज की बात रखते हुए आपस में साथ रहने की बात कही।महेश महतो ने समाज को संदेश देते हुए कहा कि आज हमारे समाज में दहेज नामक दानव बैठा हुआ है।इसे हमें जड़ से उखाड़ फेंकने की जरूरत है।जब तक दहेज हमारे समाज में रहेगा।बेटियां और बाप पिसते रहेंगें। बैठक में मदन कुमार,दिलीप साहु, लड़ुकी के पिता रामु साहु, लड़ुके के बड़े भाई बबलू साहु, लड़ुकी रेणु देवी, लड़ुका सकलदीप साहु, ओमप्रकाश,साधु राम साहु, रमेश साहु, कपिल साहु,छविश्वर साहु, लग्नू साहु सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बिजली की तार के चपेट में आने से दो गाय की मौत

बेड़ो: बेड़ो प्रखंड के दरशिला मसियातु गांव में गुरूवार के लगभग 11 बजे बिजली तार के चपेट में आने से किसान प्रदीप भगत पिता स्व खुदी भगत के दो दुधारू गाय की मौत हो गई। बुधवार की शाम आये आंधी तुफान से देशवाली चौरा में बिजली तार टुट कर जमीन में बिखर गया था। गुरूवार को प्रदीप के भाई संदीप भगत 7-8 गाय को चराने के लिए खेत तरफ ले जा रहा था। तभी जमीन में बिखरे तार जिसमें की बिजली का करंट प्रवाहित थी, जहां दो गाय तार की चपेट में आ गईं। जिससे बिजली के चपेट में आने से दोनो गायों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इधर दो गायों की अचानक मौत से किसान प्रदीप को आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा है। उन्होंने प्रखंड प्रशासन से मुआवजा की मांग किया है। इधर घटना की खबर मिलने पर पंचायत की मुखिया गंगी कुमारी पीड़ित परिवार से मिली और प्रखंड के पदाधिकारी से डुरभाष से बात कर आपदा प्रबंधन के तहत मुआवजा दिलवाने का आश्वासन दिया।

बेड़ो में घर का उड़ा एस्बेस्ट्स, रहने को दिक्कत

बेड़ो: बेड़ो प्रखंड के नरकोपी थाना क्षेत्र के पहाड़कंडरिया गांव में बुधवार की अपराह्न लगभग चार बजे दिन में वर्षा के साथ आई तेज आंधी ने ऐसा कहर बरपाया कि एतवा उरांव पिता स्व बंधु उरांव के पूरे घर का एस्बेस्ट्स उड़ गया। वही घर के समीप लगा बिजली का पोल भी आंगन में गिर गया है। वही पीड़ित परिवार के पास रहने के लिए कोई भी घर नहीं बचा है। पूरा घर क्षतिग्रस्त हो गया और घर में रखे कपड़े व घरेलू समान बर्बाद हो गए। घर का एस्बेस्ट्स उड़ जाने से बरसात में परिवार को रहने की भारी दिक्कत हो गया है। एतवा ने बताया अचानक से आवी आंधी पलभर में सब कुछ बर्बाद कर के चला गया। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पंचायत की मुखिया सुनीता सोरेन व पूर्व मुखिया नेल्सन कुजुर पहुंचे। उन्होंने कहा आंधी ने इन्हें बेघर कर दिया है। इन्हें रहने के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। उन्होंने प्रखंड प्रशासन से अविलंब मुआवजे देने की मांग की है।

नीतीश कुमार नेता बनाते हैं और बाबूलाल मरांडी केवल बातें: जदयू

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी के बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार पर टिप्पणी को लेकर झारखंड जदयू ने गुरुवार को पलटवार किया है। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा की नीतीश कुमार नेता बनाते हैं और बाबूलाल मरांडी केवल बातें। उन्होंने कहा कि कल तक मरांडी नीतीश कुमार को अपना पोलिटिकल गार्जियन मानते थे। उनके मार्गदर्शन में झारखंड से भाजपा को मिटाने का संकल्प लेते हुए विपक्षी एकता की वकालत करते थे। नीतीश कुमार ने भी मरांडी को पुनः झारखंड की राजनीति में स्थापित करने के लिए काफी सहयोग किया। मरांडी के आग्रह पर वह मई 2016 में झारखंड विकास मोर्चा के महाधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उनके गुजारिश पर नीतीश कुमार ने बिहार सरकार को झारखंड को उसकी जमीन का नक्शा वापस करने का निर्देश दिया। इसके लिए झारखंड सरकार काफी लम्बे समय से प्रयासरत थी, लेकिन मरांडी सब भूल गए। उन्होंने संघर्ष छोड़ भाजपा में आत्मसमर्पण कर दिया और अब नीतीश कुमार पर टिका - टिप्पणी कर रहे।

समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

रांची। कृषि भवन के समेति सभागार में समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना-सह-कृषक पाठशाला योजना के तहत गुरुवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्य में मौजूदा 17 कृषक पाठशाला के कार्यक्रम प्रबंधक और कृषि सलाहकारों ने भाग लिया। उर्कें बीच कृषक उत्पादक समूह के गठन एवं संचालन की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला में एफपीओ के विशेषज्ञ भिंसी अहीर ने किसानों के लिए एफपीओ के महत्व, एफपीओ से उत्पन्न जुड़ाव एवं सदस्यता, गठन प्रक्रिया, पंजीकरण, प्रमाणन, व्यापार योजना एवं संचालन पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों में चल रहे मॉडल एफपीओ के गठन एवं संचालन के बारे में भी बताया। कार्यशाला में सहायक निदेशक आशुतोष कुमार, राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के सदस्य अलोक कुमार , अंकित कुमार, निशांत कुमार, सिद्धार्थ राज, कुमकुम कुमारी, सकुन शान एवं जितेन्द्र कुमार ने भी प्रतिभागियों को योजना से सम्बंधित सारी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने की जानकारी दी।

हाई कोर्ट ने लॉकडाउन में झारखंड में पेड़ों की कटाई की स्टेटस रिपोर्ट सीआईडी से मांगी

रांची(हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में गुरुवार को लॉकडाउन के समय में झारखंड के कई जिलों में पेड़ काटने की सीआईडी जांच की रिपोर्ट देने का आग्रह करने वाली कमलेश कुमार सिंह की जनहित याचिका की सुनवाई हुई। खंडपीठ ने इस संबंध में सीआईडी से चार सप्ताह में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। इससे पहले सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता द्वारा कोर्ट को बताया गया कि लॉक डाउन के समय झारखंड के जामताड़ा, पलामू, चाईबासा, रांची आदि जिलों में वन विभाग की ओर से पेड़ काट दिये गये। इन काटे गये पेड़ों को 200 से अधिक ट्रकों में भर कर ले जाया गया। कोर्ट को यह भी बताया गया कि याचिकाकर्ता ने पत्र लिख कर सीएम को लॉकडाउन में झारखंड में पेड़ काटे जाने की जानकारी दी थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने डीजीपी को मामले में जांच करने का आदेश दिया था लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। बाद में याचिकाकर्ता ने कई अन्य जगहों पर भी इसके संबंध में शिकायत की थी।

आज का दिन राज्य के लिए विशेष रहा, मुख्यमंत्री ने 2550 लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपा: सुप्रियो

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि गुरुवार का दिन इस राज्य के लिए विशेष दिन रहा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 2550 युवाओं के बीच सरकारी नियुक्ति पत्र वितरित किया। दो साल के कोरोना काल के बाद हेमंत सरकार ने नियुक्ति से संबंधित कार्य की शुरू कर दिया है।

भट्टाचार्य गुरुवार को हरमू रोड स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि रघुवर सरकार के पांच

साल में 2014 से 2019 तक संविदा में उनकी नियुक्ति हुई थी, जिसमें एक भी जेपीएससी के नहीं थे। इसलिए सबसे पहले 2021 के अंत में 24 जिलों में 24 खेल पदाधिकारियों के नियुक्ति के साथ यह प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद लगभग 20 वर्ष के बाद 129 कृषि पदाधिकारियों की नियुक्ति हेमंत सरकार ने की।

भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य विधि प्रयोगशाला में 11 वर्ष के बाद 37 नियुक्ति हुई। इसमें कार्मिक विभाग ने 252 जेपीएससी के गजटेड ऑफिसर, श्रम विभाग ने 11 हजार 406 लोगों को निजी क्षेत्रों में नियुक्ति, 217 आयुष चिकित्सकों



की नियुक्ति, रिस्स में 320 नर्स की नियुक्ति, जेपीएससी के द्वारा 617 सहायक इंजीनियर की नियुक्ति, 32 वेटनरी डॉक्टर, 417

इतिहास को सामने रखकर बेहतर भविष्य का निर्माण बड़ी चुनौती: सुदेश

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि इतिहास को सामने रख झारखंड के बेहतरीन भविष्य का निर्माण चुनौती भरा है लेकिन हम सभी को मिलकर अपनी जिम्मेदारियों और उसूलों पर कायम रहते हुए इन चुनौतियों को हर हाल में पीछे छोड़ना है। उन्होंने पार्टी के हरमू रोड स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित संकल्प सभा में ये बातें कही।

सुदेश ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थि में उसूलों और यथार्थ के साथ चलना और समझना जरूरी है। साथ ही किसी नेता, कार्यकर्ता और दल का राज्य के प्रति कितना समर्पण है, इसका आकलन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता एक अवसर है। इसकी असली परीक्षा तब होती है, जब जनता कहे कि मेरी सरकार



है लेकिन अफसोस है कि झारखंड जिस हालात से गुजर रहा उसमें यह आवाज नहीं सुनी जा रही। उन्होंने कहा कि हमने एक मुकाम तय किया है। हमारी राजनीति का विषय बिल्कुल स्पष्ट है। हमें बदली परिस्थितियों में एक अच्छे और बेहतर झारखंड का निर्माण करना है। आजसू के कार्यकर्ताओं को संघर्ष और एकजुटता को धार देना होगा। यही संघर्ष आने वाले साल 2024 में परिणाम देगा। महतो ने कहा कि इसी महौने से सभी

झामुमो ने जे.पी नड्डा के गिरिडीह दौरे को लेकर बोला हमला, सुप्रियो भट्टाचार्य बोले -

जो लोग खुद संपर्क हीन है वह जनसंपर्क कर रहे हैं

रांची । झामुमो ने जे.पी नड्डा के गिरिडीह दौरे को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। रांची में गुरुवार को मॉडिया से मुखातिब झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अगली बार से जो बाहर से कोई भाजपा के नेता आए तो हमें बता दीजिए।हम 5-10 हजार कार्यकर्ता भेज देंगे। गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा राज्य में 2550 नियुक्ति पत्र बांटने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य मॉडिया से मुखातिब हुए। प्रेस को संबोधित करते हुए सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि इन साढ़े 3 वर्षों में सरकार ने कुल 19630 नियुक्ति इस राज्य को दी है। साथ ही वर्तमान सरकार की उपलब्धियां भी इस प्रेस वार्ता के जरिए बताई गईं।

वहीं दूसरी ओर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के झारखंड दौरे पर पूर्ण रूप से हमलावर होते हुए सुप्रियो

भट्टाचार्य ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जे.पी नड्डा के गिरिडीह दौरे को लेकर काफी तंज काए। मणिपुर के मामले पर सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि एक और मणिपुर बर्बाद हो रहा है और दूसरी ओर राष्ट्रीय अध्यक्ष झारखंड आए हुए हैं अगली बार वे बिहार नहीं जाए बल्कि नॉर्थईस्ट जाए और वहां का हाल देखें। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिन के बयान पर भी कहा कि रघुवर दास तो ऐसे बात करते हैं जैसे वह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कमरे के बाहर ही खड़े रहते हैं की बाबू कब उठ रहे हैं और उठते के साथ उन्हें ब्रश भी देना होगा। इसी तरह की बातों को लेकर केंद्रीय महासचिव लगातार भाजपा पर तंज कसते नजर आए और कहा कि जो लोग खुद संपर्क हीन है वह जनसंपर्क कर रहे हैं ।

रांची। राज्य के सभी स्कूल (सरकारी और गैर सरकारी) लंबी गर्मी छुट्टी के बाद गुरुवार से खुल गए। राज्य के विभिन्न हिस्सों में भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए झारखंड स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने तीसरी बार नोटिस जारी करते हुए 21 जून तक 8वीं कक्षा तक की सभी स्कूलों को बंद रखने का निर्णय लिया था। इससे पहले 12 से 14 जून को पहली बार और दूसरी बार 15 से 17 जून तक दूसरी बंद रखने का निर्णय लिया था। गर्मी छुट्टी के बाद स्कूली सभी छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित दिखे।

तीन बार बढ़ाई गई थी छुट्टियां

सबसे पहले 12 जून को स्कूल खुलने वाली थी, जिसके एक दिन 11 जून को आदेश जारी करते हुए शिक्षा विभाग ने 12 से 14 जून तक

गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव की जमानत पर सुनवाई 27 जून को
रांची। गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव की जमानत याचिका पर रांची एटीएस के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने अमन की बेल पर अगली सुनवाई के लिए की 27 जून की तिथि निर्धारित की है। मामले में एटीएस की ओर से जवाब दाखिल किया जाना था, लेकिन जवाब दाखिल नहीं किया जा सका। गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव को एटीएस की टीम ने पिछले महीने मुंबई से गिरफ्तार किया था, जिसके बाद वह फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में हैं। अमन ने अपनी जमानत के लिए न्यायालय से गृहार लगाई है। एटीएस थाने में 17 जनवरी 2022 को अमन श्रीवास्तव गिराेह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उक्त प्राथमिकी में गैंग के लीडर अमन श्रीवास्तव सहित 15 आरोपित बनाये गये थे।

एसबीआई खाताधारियों के सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा कवच को मजबूत बनाने के प्रति कृतसंकल्प है : मुख्य महाप्रबंधक

नवप्रदेश संवाददाता

बेड़ो: खाता धारियों ने भारतीय स्टेट बैंक को मुकाम पर पहुंचाया। टॉप टेन में इसकी गणना होती है। खाता धारियों की सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा कवच को मजबूत बनाने के प्रति एसबीआई कृतसंकल्प है। देश में वित्तीय समावेशन की आवश्यकता है। उक्त बातें एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक शिव ओम दीक्षित ने कहीं। वे एसबीआई के तत्वावधान में गुरुवार को विवाह मंडप बेड़ो के सभागार में आयोजित किसान संपर्क सह वित्तीय समावेशन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने संयुक्त रूप से दीप जलाकर समारोह का उद्घाटन किया। समारोह में नागपुरी



कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार एसबीआई बैंकिंग सुविधा के लिए कटिबद्ध है। समारोह में बैंक द्वारा कृषि ऋण, मुद्रा ऋण, स्टैंड अप इंडिया, अटल पेंशन योजना, प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना व प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बारे में ग्रामीणों व

खाताधारियों को विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं समारोह में स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक शिव ओम दीक्षित द्वारा उपरोक्त योजना अंतर्गत विभिन्न लाभुकों के बीच स्वीकृत पत्र तथा सर्टिफिकेट का वितरण किया गया। उन्होंने बैंक को शिखर तक पहुंचाने में खाताधारियों की काफी सराहा न किया। साथ ही आम लोगों से

चिकित्सा पदाधिकारी, सहायक लोक अभियोजक 107 लोगों की नियुक्ति, माध्यमिक विद्यालय के तीन हजार 469 नियुक्तियां हुईं। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार की उपलब्धि और कोरोना प्रबंध से भाजपा बौखला गयी है। आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रांची पहुंचे और गिरिडीह में सभा करने गये। भाजपा ने शर्म, हथ्या और नैतिकता सभी को त्याग दिया है। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिनके मणिपुर के 17 विधायकों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा कि मणिपुर बर्बाद हो गया है, सरकार को बर्खास्त कीजिए। इसपर नड्डा ने गिरिडीह में

झारखंड के गिरिडीह पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, हवाई अड्डे पर हुआ जोरदार स्वागत



गिरिडीह। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से गिरिडीह पहुंचे। उनके साथ पार्टी के पदेश अध्यक्ष सह सांसद दीपक प्रकाश भी मौजूद थे। गिरिडीह के बोड़ो स्थित हवाई अड्डे पर भाजपा विधायक दल के नेता मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, प्रो. विनिता कुमारी, पूर्व विधायक निर्भय शहाबादी, विनय सिंह, पवन साहु, भाजपा जिलाध्यक्ष महादेव दुबे सहित कई भाजपा नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोरदार

स्वागत किया।

इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ सभी नेता आयोजन स्थल झंडा मैदान पहुंचे, जहां उनका स्वागत नेताओं ने प्रतीक चिन्ह देकर और शॉल ओढ़ाकर किया। भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहु, बोकारो विधायक विरंची नारायण, नीरस विधायक अपर्णा सेन गुप्ता समेत पांच जिलों के जिलाध्यक्ष समेत भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं मौजूद थे। जेपी नड्डा के पहले दफा आगमन को लेकर ही आयोजन स्थल में जनसैलाब उमड़ा।

गर्मी की छुट्टी के बाद राज्य के सभी स्कूल खुले, छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित दिखे



राज्य के सभी स्कूलों को बंद रखने का निर्णय लिया था। लेकिन दिनों दिन बढ़ती भीषण गर्मी और हीटवेब की स्थिति को देखते हुए शिक्षा विभाग ने 14 जून को फिर से आदेश जारी किया जिसमें 15 से 17 जून तक सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया था। इसके बाद 18 जून को रविवार के बाद राज्य के सभी स्कूल 19 जून से खुलने वाले थे। राज्यभर में लू और अत्यधिक गर्मी पड़ने के कारण शिक्षा विभाग ने फिर से तीसरी बार स्कूलों की गर्मी

छुट्टी को बढ़ाने का फैसला लिया था। इस बीच 20 जून को रथयात्रा के कारण स्कूलों में पहले से ही सार्वजनिक अवकाश था। इस तरह से दो दिन यानी सिर्फ 19 और 21 जून को ही स्कूल बंद रहने से पढ़ाई प्रभावित हुई। विभाग ने अपने तीसरी बार के फैसले में 21 जून तक सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया था, जिसे स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने रविवार 18 जून को आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी थी।

सामान्य दिखाई देने वाले लोगों में भी हो सकते हैं फाइलेरिया के परजीवी, कराएं जांच

नवप्रदेश प्रतिनिधि सासाराम। देश से 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर सरकार लगातार प्रयासरत है। इसके लिए लगातार कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर प्रतिवर्ष सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाई जाती है जिसमें फाइलेरिया के परजीवी को बढ़ने से रोकने के लिए लोगों को दवा खिलाई जाती है। इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से लोगों के रक्त की जांच करके फाइलेरिया पीड़ित क्षेत्र का पता लगाया जाता है साथ ही लोगों में फाइलेरिया के परजीवी का भी पता लगाया जाता है। रोहतास जिले में इस बार एक साथ सभी 19 प्रखण्डों में जारी नाइट ब्लड सर्वे अभियान



जारी है। पिछले वर्ष जिले के 7 प्रखंडों में 8 गांव नाईट ब्लड सर्वे अभियान चलाया गया था। इस दौरान लगभग 4000 लोगों का सैंपल जांच किया गया था जिसमें 43 के आसपास लोग फाइलेरिया से पीड़ित पाए गए थे। वही इस बार

सभी प्रखंड के कुल 42 गांव में एक साथ नाइट ब्लड सर्वे अभियान चलाया जा रहा है। जिला फाइलेरिया विभाग एवं केयर इंडिया टीम के द्वारा लाइन लिस्टिंग के अनुसार रोहतास जिले में 1500 से 1600 हाथीपांव के पीड़ित मरीज

पाए गए हैं।

लक्ष्य पर दिया जा रहा है बल

इस वर्ष 10 अगस्त से (एमडीए) सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरुआत होनी है, इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से फाइलेरिया की स्थिति का पता करके एमडीए अभियान पर बल दिया जाएगा। नाईट ब्लड सर्वे के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा प्रत्येक गांव में 300 लोगों का सैंपल एकत्रित करने का दिशा निर्देश दिया गया है। इस तरह से रोहतास जिले में 42 गांव में 12600 लोगों का रक्त संग्रहित कर जांच किया जाना है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जिला फाइलेरिया विभाग द्वारा अभियान

जारी है। जिले में 19 जून से शुरू नाईट ब्लड सर्वे 24 जून तक आयोजित किया जाएगा। पिछले 3 दिनों में रोहतास जिले में अब तक 4200 से अधिक लोगों का रक्त संग्रह कर लिया गया है।

हाथीपांव का नही है कोई इलाज

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी जयप्रकाश गौतम ने बताया कि हाइड्रोसील का ऑपरेशन करा कर फाइलेरिया से छुटकारा पाया जा सकता है परंतु हाथीपाव का इलाज या ऑपरेशन पूरे भारत में मौजूद नहीं है। उन्होंने बताया कि हाथीपांव का लक्षण सामान्यतः शुरूआती दौर में दिखाई नहीं देता है। इसके परजीवी शरीर में

प्रवेश करने के बाद 8 से 10 सालों में इसके लक्षण दिखाई देता है तब तक बहुत देर हो जाती है और यह मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया के परजीवी रात्रि में ही सक्रिय होते है, इसलिए इसकी जांच के लिए सैम्पल रात्रि 8.30 बजे से लेकर 12:00 बजे तक एकत्रित किया जाता है और 24 घंटे के भीतर सैंपल की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि सामान्य दिखने वाले लोग में भी फाइलेरिया ले परजीव हो सकते हैं ऐसे में सामान्य दिखने वाले लोग भी अभियान के तहत अपना जांच जरूर करवाएं, क्योंकि यह अभियान साल में एक ही बार चलाया जाता है।

एक नजर

इंडियन ऑयल एलपीजी विंग के आयोजित समारोह में महापौर ने लॉन्च किया कंपोजिट सिलिंडर
सुंदर व पारदर्शी डिजाइन और कम वजन के कारण सामान्य सिलिंडर से काफी हल्का होना बताया कंपोजिट सिलिंडर की खूबी

नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया । इंडियन ऑयल के एलपीजी विंग की ओर से बुधवार की शाम एलपीजी का कंपोजिट सिलिंडर समारोह पूर्वक लांच किया गया। नगर के समीपवर्ती एक निजी सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद मुख्य अतिथि व नगर निगम महापौर गरिमा देवी साकिरिया ने कहा कि यह कम्पोजिट एलपीजी सिलिंडर धोखेू उपयोग के लिए कम वजन को ले कम लागत के कारण काफी उपयोगी है। भरे हुवे में सामान्य सिलिंडर को किसी महिला के लिए उठाना मुश्किल होता है। उसको देख कर पता लगाना भी मुश्किल होता है कि इसमें कितनी गैस बची है। महापौर ने कहा कि गृहणी और ग्राहकों की ऐसी ही पेशानियों को दूर करने के लिए सरकार और कंपनी का सही में यह एक एक खास और उपयोगी तोहफा है। यह 5 और 10 किलोग्राम में उपलब्ध है, जो समान क्षमता के नियमित सिलेंडर की तुलना में काफी हल्का है। इंडियन कम्पोजिट सिलेंडर कई खासियत के साथ बाजार में आए हैं जैसे कि यह वजन में पुराने सिलेंडर से यह 50 फीसदी तक हल्का है, देखने में काफी खूबसूरत होने के साथ यह जंग रहित है और कभी भी ब्लास्ट होने की आशंका नहीं रहती है।इसके पारदर्शी होने के कारण इस सिलेंडर में बची गैस का रोज ऑकलन किया जा सकता है।

मुसलाधार बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे

नवप्रदेश प्रतिनिधि संडौली। गुरुवार शाम लगभग 4:40 बजे से शुरू हुई एकाएक आधे घंटे की भारी बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। पिछले कई सप्ताह से बारिश के इंतजार कर रहे किसानों के चेहरे बारिश होते ही खिल उठे. नहरों में पर्याप्त पानी नहीं मिलने, बिजली की आंख मिचौली से किसान पेशान थे. अभी तक कई किसान पानी के अभाव में धान के बिचड़े नहीं डालने को लेकर चिंता में दुबे हुए थे. लेकिन गुरुवार की शाम लगभग 4:40 बजे भगवान इंद्र की कृपा से प्रखंड क्षेत्र सहित सीमावर्ती क्षेत्र में हुई भारी बारिश से किसानों को काफी राहत मिली है. किसानों को उम्मीद है की अब धान के बिचड़े समय से डाल दिए जायेंगे. सुरेंद्र कुमार सिंह, इंदल सिंह, राम सुरेश सिंह, उदल सिंह सहित कई किसानों ने बताया कि इस वर्ष नहरों में पर्याप्त पानी नहीं मिलने, बिजली की आंख मिचौली के कारण धान के बिचड़े डालने में किसानों को काफी पेशानी हो रही है।

वारंटी की जगह दूसरे ग्रामीण का दरवाजा तोड़ पुलिस ने किया अभद्र व्यवहार, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

नवप्रदेश प्रतिनिधि करगहर रोहतास। थाना क्षेत्र के निमडीहरा गांव में बुधवार के देर रात वारंटी के गिरफ्तारी के लिए सासाराम व करगहर पुलिस ने छापामारी की। जहां वारंटी के घर की जगह दूसरे ग्रामीण का दरवाजा तोड़ महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। जिसलेर पीड़ित गृहस्वामी ने एसपी से गुहार लगाई है ।निमडीहरा निवासी तेजबली सिंह ने बताया कि रात 12 बजे वे छत पर सोए थे कि घर का मुख्य दरवाजा तोड़ने की आवाज सुनकर जाग गए। इस बीच घर की महिलाओं ने दरवाजा तोड़ने का विरोध किया जग गए। पुलिस ने उन्हे साथ अभद्र व्यवहार व गाली गलौज की। आंगन में काफी संख्या में पहुंची पुलिस ने बताया कि हम लोग सासाराम और करगहर पुलिस हैं । वारंटी बृजनंदन सिंह उर्फ विरजन सिंह को न्यायालय में जल्दी हाजिर कराओ। तब मैंने कहा कि हजुर उनका बगल में घर है। यह मकान मेरा है लेकिन उन्हें विरवास नहीं हुआ और मेरे साथ गाली गलौज व मारपीट करने लगे। स्थानीय चौकीदार की बात पर भी उन्हें विरवास नहीं हुआ। पुलिस अधिकारियों ने जाते समय कहा कि वारंटी हाजिर नहीं हुआ तो बुलडोजर से पूरा मकान तोड़ देंगे। गृहस्वामी ने आवेदन देकर एसपी से न्याय की गुहार लगाते हुए आधी रात में दरवाजा तोड़ने व महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करने तथा पुलिस जुल्म के विरूद्ध छापामारी में शामिल पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है ।

आशाओं को आधा अधूरा नहीं पूरा इस मुहैया कराना होगा: उषा कुमारी

नवप्रदेश प्रतिनिधि समस्तीपुर । आशा संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आवाहन पर आशा कार्यकताओं ने बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ के बैनर तले पूरा प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आशा संघ के अध्यक्ष कल्पना सिन्हा व संचालन आशा संघ के सचिव उषा कुमारी ने किया। सभी आशाओं कार्यकताओं को पारितोषिक नहीं राज्य कर्मी का दर्जा देने, सभी आशा व फैसिलिटेटर को 10 हजार मासिक वेतन देने, कोरोना महामारी में मृत आशाओं के घर परिवार को 4 लाख रुपए मुआवजा देने, सभी आशाओं फैसिलिटेटर को पेंशन योजना बहाल करो, कारोना महामारी में ड्यूटी कर रही सभी आशाओं को 10 हजार रुपया कोरोना भत्ता देने, आशाओं को आधा अधूरा नहीं पूरा ड्रेस मुहैया कराना होगा, सभी आशा फैसिलिटेटर कार्यकताओं को प्रोत्साहन राशि मासिक वेतन भुगतान सहित सभी में पारदर्शिता कराना होगा, अस्पताल परिसर में आशा कार्यकताओं के लिए रूम का व्यवस्था करने, आशाओं के भुगतान में व्याप्त भ्रष्टाचार कमीशन न्याय पर सख्ती से रोक लगाई जाए, आशा कार्यकताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, अस्पताल में प्रसव के दौरान घुसखोरी सहित अन्य मांगों को लेकर नारे लगाते हुए आशा कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

राजस्व संबंधित कैप में 4 आवेदन प्राप्त

नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुर। प्रखंड कार्यालय परिसर में राजस्व संबंधित कैप का आयोजन हुआ। जिसमें राजस्व एवं भूमि सुधार के तहत अंचल क्षेत्र के अलग-अलग गांव से चार आवेदन प्राप्त हुआ। अंचल के कर्मी अमर सिंह ने बताया कि राजस्व एवं भूमि सुधार के तहत आयोजित कैप में दो परिमार्जन के लिए जबकि एक जमाबंदी में सुधार एंव एक लगान में सुधार के लिए आवेदन मिला है।

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे पवनी पैवस अध्यक्ष

नवप्रदेश प्रतिनिधि नासरीगंज (रोहतास)। प्रखंड के पवनी पंचायत के पैक्स अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद सिंह के स्कॉर्पियो में सड़क निर्माण कार्य में लगी हाइड्र ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें पवनी पैवस अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद सिंह व उनका चालक बाल बाल बच गए हालांकि पैक्स अध्यक्ष की स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गया। आपको बता दे कि पैक्स अध्यक्ष जमालपुर पोखराहा मुखिया टिकू सिंह के वहां कुछ निजी कार्य से गए हुए थे जहा अपना कार्य निपटाकर बिक्रमगंज एक कार्यक्रम में जा रहे थे तभी सड़क निर्माण कंपनी की हाइड्र ने बलिया काली मंदिर के समीप स्कॉर्पियो में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमे स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गया। पैक्स अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद सिंह ने बताया की जमालपुर से कुछ निजी कार्य को निपटाकर बिक्रमगंज एक कार्यक्रम में जा रहे थे। बलिया काली मंदिर के पास अपना गाड़ी रोके हुए थे तभी सड़क निर्माण कार्य में लगा हाइड्र ने बैक करते समय हमारी स्कॉर्पियो में टक्कर मार दी जिसमे मैं और मेरा चालक बाल बाल बच गए। जबकि हमारी स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर मुखिया टिकू सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष लालबाबु साह समेत कई ग्रामीण पहुंचे।

सामान्य दिखाई देने वाले लोगों में भी हो सकते हैं फाइलेरिया के परजीवी, कराएं जांच

नवप्रदेश प्रतिनिधि सासाराम। देश से 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर सरकार लगातार प्रयासरत है। इसके लिए लगातार कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर प्रतिवर्ष सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाई जाती है जिसमें फाइलेरिया के परजीवी को बढ़ने से रोकने के लिए लोगों को दवा खिलाई जाती है। इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से लोगों के रक्त की जांच करके फाइलेरिया पीड़ित क्षेत्र का पता लगाया जाता है साथ ही लोगों में फाइलेरिया के परजीवी का भी पता लगाया जाता है। रोहतास जिले में इस बार एक साथ सभी 19 प्रखण्डों में जारी नाइट ब्लड सर्वे अभियान



जारी है। पिछले वर्ष जिले के 7 प्रखंडों में 8 गांव नाईट ब्लड सर्वे अभियान चलाया गया था। इस दौरान लगभग 4000 लोगों का सैंपल जांच किया गया था जिसमें 43 के आसपास लोग फाइलेरिया से पीड़ित पाए गए थे। वही इस बार

सभी प्रखंड के कुल 42 गांव में एक साथ नाइट ब्लड सर्वे अभियान चलाया जा रहा है। जिला फाइलेरिया विभाग एवं केयर इंडिया टीम के द्वारा लाइन लिस्टिंग के अनुसार रोहतास जिले में 1500 से 1600 हाथीपांव के पीड़ित मरीज

पाए गए हैं।

लक्ष्य पर दिया जा रहा है बल

इस वर्ष 10 अगस्त से (एमडीए) सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरुआत होनी है, इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से फाइलेरिया की स्थिति का पता करके एमडीए अभियान पर बल दिया जाएगा। नाईट ब्लड सर्वे के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा प्रत्येक गांव में 300 लोगों का सैंपल एकत्रित करने का दिशा निर्देश दिया गया है। इस तरह से रोहतास जिले में 42 गांव में 12600 लोगों का रक्त संग्रहित कर जांच किया जाना है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जिला फाइलेरिया विभाग द्वारा अभियान

जारी है। जिले में 19 जून से शुरू नाईट ब्लड सर्वे 24 जून तक आयोजित किया जाएगा। पिछले 3 दिनों में रोहतास जिले में अब तक 4200 से अधिक लोगों का रक्त संग्रह कर लिया गया है।

हाथीपांव का नही है कोई इलाज

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी जयप्रकाश गौतम ने बताया कि हाइड्रोसील का ऑपरेशन करा कर फाइलेरिया से छुटकारा पाया जा सकता है परंतु हाथीपाव का इलाज या ऑपरेशन पूरे भारत में मौजूद नहीं है। उन्होंने बताया कि हाथीपांव का लक्षण सामान्यतः शुरूआती दौर में दिखाई नहीं देता है। इसके परजीवी शरीर में

प्रवेश करने के बाद 8 से 10 सालों में इसके लक्षण दिखाई देता है तब तक बहुत देर हो जाती है और यह मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया के परजीवी रात्रि में ही सक्रिय होते है, इसलिए इसकी जांच के लिए सैम्पल रात्रि 8.30 बजे से लेकर 12:00 बजे तक एकत्रित किया जाता है और 24 घंटे के भीतर सैंपल की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि सामान्य दिखने वाले लोग में भी फाइलेरिया ले परजीव हो सकते हैं ऐसे में सामान्य दिखने वाले लोग भी अभियान के तहत अपना जांच जरूर करवाएं, क्योंकि यह अभियान साल में एक ही बार चलाया जाता है।

अनुमंडल कोर्ट परिसर में महिला एवं पुरुष शौचालय निर्माण का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया गया



नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी । अनुमंडल विधिज्ञ संघ परिसर में पूर्व से प्रस्तावित महिला एवं पुरुष शौचालय सह मूत्रालय का निर्माण हेतु चयनित स्थल पर शिलान्याश सह भूमि पूजन अनुमंडल विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष श्र उमा शंकर पाण्डेय उर्फ मुदुर पाण्डेय की अध्यक्षता में नप के मुख्य पार्षद प्रतिनिध गुड्डू चंद्रवंशी द्वारा हनुमान मंदिर डेहरी बार के पुजारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। यह शौचालय सह मूत्रालय तथा पेयजल इत्यादि की व्यवस्था तथा अधिवका गण के लिए नगर परिषद के सौजन्य से कराया जा रहा है। इस मौके पर नप के कनीय अभियंता मिथिलेश कुमार,

संवेदक प्रसाद पासवान, संघ के सचिव रितेश कुमार, सहायक सचिव रंजीत कुमार दुबे, अमरनाथ सिंह, उपाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, काशीनाथ गुप्ता, खुश्राद आलम, प्रवीण दुबे, मुमुमुन पाण्डेय, कमल सिंह, अपरु राय, प्रभात सिंह, कपिल मुनि सिंह, विजेंद्र पासवान, विनोद सिंह, ओम प्रकाश पाण्डेय, मदन कुमार, रवींद्र कुमार, संयुक्त सचिव कमलेश कुमार, अधिवक्ता देवनाथ सिंह, हिमांशु पाण्डेय, अंकिता कुमारी, उमेश कुमार, प्रदीप सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद प्रसाद पाल, अभय दुबे, सकिल एवं काफी संख्या में अधिकता गण वो ताईद गण उपस्थित थे।

टग से पैसा वापस कराया गया पीड़िता को

पैसा पीड़िता को वापस कर दे नहीं तो मेरा टेलर चलेगा और यह भी कहा गया कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो तमाम प्रमाण के साथ दरभंगा जिला समेत बिहार के अधिकतर सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे ।टगी करने वाले पीड़िता के संदर्भ में उन्होंने बताया है कि तुम मीडिया के रूप में जिला का सबसे बड़ा दलाल हो । 48 घंटा के समापन से पहले टगी करने वाले के द्वारा धीरेन्द्र कुमार उर्फ धीरेन्द्र कपूर के अकाउंट पर 10 हजार रुपया वापस किया गया है । वापसी के बाद पीड़िता ने धीरेन्द्र कुमार उर्फ धीरेन्द्र कपूर से आग्रह किया कि उनका नाम व जो प्रमाण जुटाया गया है , उसका खुलासा नहीं किया जाए । कम से एक बार सुधारने का मौका दिया क्योंकि परिवर्तन ही संसार का जननी है । धीरेन्द्र कुमार उर्फ धीरेन्द्र कपूर ने बताया है कि एक के चक्कर में सबका अररिया में बदनामी हो रहा है । इन्होंने पैसा

वापसी को लेकर इसका श्रेय दरभंगा जिला में सच्ची निष्ठा से कार्य करने वाले तमाम विजुअल तथा प्रिंट मीडिया को दिया है और बताया है आज इन्हीं मीडिया की वजह से दरभंगा जिला के विभिन्न क्षेत्रों में पीड़ित व पीड़िता को न्याय मिल पाता है । धीरेन्द्र कुमार उर्फ धीरेन्द्र कपूर के इस सहायनी कदम को लेकर जिला के सभी वीजुअल, प्रिंट मीडिया, कई विभाग के आधिकारी व पदाधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, प्रोफेसर डॉक्टर, छात्र-छात्राएं आम नागरिक ने धन्यवाद दिया है । अंत में उन्होंने भावुक होकर अपने जीवन से जुड़ा हुआ एक बहुत बड़ा खुलासा किया है कि मैं भी दरभंगा जिला में कई भ्रष्ट अधिकारी तथा मीडिया के रूप में एक दलाल का शिकार हुआ था , नहीं तो मेरा नसीब भी अगर खराब होता न तो कम से कम किसी जिला का एसपी जरूर रहता ।

छापामारी में हथियार समेत दो गिरफ्तार

नवप्रदेश प्रतिनिधि रोहतास। रोहतास थाना क्षेत्र के कैमूर पहाड़ी के नकटी व कछुअर के घने जंगल के बीच से एक बंदूक व एक जिंदा कारतूस के साथ एसएसबी के जवानों ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि एसएसबी के कमांडेंट एच के गुला व एसपी विनीत कुमार के निर्देश पर इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह व रोहतास पुलिस के एस आई करण कुमार के साथ मिलकर बुधवार की देर शाम छापामारी अभियान चलाया गया। इस दौरान धनसा से कछुअर की ओर जवानों ने गाड़ी घुमा दी। कछुअर व नकटी के बीच तीन मुहाने के पास सामने से एक बाइक पर बंदूक लिए नकटी गांव का अशोक खरवार व पवनवा गांव का अवधेश उरांव आ रहा था। बंदूक देखते ही एसएसबी के जवानों ने वाहन से कूदकर पोजिशन ले लिये और सरेंडर बोलवाया। दोनों को कब्जा में लेकर जांच की तब 315 बोर का एक जिंदा कारतूस निकला। दोनों को गिरफ्तार कर रात में ही रोहतास थाना पर लाया गया। सुत्रों की माने तो दोनों जंगली जानवरों का शिकार करते हैं।

सामान्य दिखाई देने वाले लोगों में भी हो सकते हैं फाइलेरिया के परजीवी, कराएं जांच

नवप्रदेश प्रतिनिधि सासाराम। देश से 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर सरकार लगातार प्रयासरत है। इसके लिए लगातार कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर प्रतिवर्ष सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाई जाती है जिसमें फाइलेरिया के परजीवी को बढ़ने से रोकने के लिए लोगों को दवा खिलाई जाती है। इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से लोगों के रक्त की जांच करके फाइलेरिया पीड़ित क्षेत्र का पता लगाया जाता है साथ ही लोगों में फाइलेरिया के परजीवी का भी पता लगाया जाता है। रोहतास जिले में इस बार एक साथ सभी 19 प्रखण्डों में जारी नाइट ब्लड सर्वे अभियान



जारी है। पिछले वर्ष जिले के 7 प्रखंडों में 8 गांव नाईट ब्लड सर्वे अभियान चलाया गया था। इस दौरान लगभग 4000 लोगों का सैंपल जांच किया गया था जिसमें 43 के आसपास लोग फाइलेरिया से पीड़ित पाए गए थे। वही इस बार

सभी प्रखंड के कुल 42 गांव में एक साथ नाइट ब्लड सर्वे अभियान चलाया जा रहा है। जिला फाइलेरिया विभाग एवं केयर इंडिया टीम के द्वारा लाइन लिस्टिंग के अनुसार रोहतास जिले में 1500 से 1600 हाथीपांव के पीड़ित मरीज

पाए गए हैं।

लक्ष्य पर दिया जा रहा है बल

इस वर्ष 10 अगस्त से (एमडीए) सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरुआत होनी है, इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से फाइलेरिया की स्थिति का पता करके एमडीए अभियान पर बल दिया जाएगा। नाईट ब्लड सर्वे के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा प्रत्येक गांव में 300 लोगों का सैंपल एकत्रित करने का दिशा निर्देश दिया गया है। इस तरह से रोहतास जिले में 42 गांव में 12600 लोगों का रक्त संग्रहित कर जांच किया जाना है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जिला फाइलेरिया विभाग द्वारा अभियान

जारी है। जिले में 19 जून से शुरू नाईट ब्लड सर्वे 24 जून तक आयोजित किया जाएगा। पिछले 3 दिनों में रोहतास जिले में अब तक 4200 से अधिक लोगों का रक्त संग्रह कर लिया गया है।

हाथीपांव का नही है कोई इलाज

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी जयप्रकाश गौतम ने बताया कि हाइड्रोसील का ऑपरेशन करा कर फाइलेरिया से छुटकारा पाया जा सकता है परंतु हाथीपाव का इलाज या ऑपरेशन पूरे भारत में मौजूद नहीं है। उन्होंने बताया कि हाथीपांव का लक्षण सामान्यतः शुरूआती दौर में दिखाई नहीं देता है। इसके परजीवी शरीर में

प्रवेश करने के बाद 8 से 10 सालों में इसके लक्षण दिखाई देता है तब तक बहुत देर हो जाती है और यह मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया के परजीवी रात्रि में ही सक्रिय होते है, इसलिए इसकी जांच के लिए सैम्पल रात्रि 8.30 बजे से लेकर 12:00 बजे तक एकत्रित किया जाता है और 24 घंटे के भीतर सैंपल की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि सामान्य दिखने वाले लोग में भी फाइलेरिया ले परजीव हो सकते हैं ऐसे में सामान्य दिखने वाले लोग भी अभियान के तहत अपना जांच जरूर करवाएं, क्योंकि यह अभियान साल में एक ही बार चलाया जाता है।

सामान्य दिखाई देने वाले लोगों में भी हो सकते हैं फाइलेरिया के परजीवी, कराएं जांच

नवप्रदेश प्रतिनिधि सासाराम। देश से 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर सरकार लगातार प्रयासरत है। इसके लिए लगातार कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर प्रतिवर्ष सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाई जाती है जिसमें फाइलेरिया के परजीवी को बढ़ने से रोकने के लिए लोगों को दवा खिलाई जाती है। इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से लोगों के रक्त की जांच करके फाइलेरिया पीड़ित क्षेत्र का पता लगाया जाता है साथ ही लोगों में फाइलेरिया के परजीवी का भी पता लगाया जाता है। रोहतास जिले में इस बार एक साथ सभी 19 प्रखण्डों में जारी नाइट ब्लड सर्वे अभियान



जारी है। पिछले वर्ष जिले के 7 प्रखंडों में 8 गांव नाईट ब्लड सर्वे अभियान चलाया गया था। इस दौरान लगभग 4000 लोगों का सैंपल जांच किया गया था जिसमें 43 के आसपास लोग फाइलेरिया से पीड़ित पाए गए थे। वही इस बार

सभी प्रखंड के कुल 42 गांव में एक साथ नाइट ब्लड सर्वे अभियान चलाया जा रहा है। जिला फाइलेरिया विभाग एवं केयर इंडिया टीम के द्वारा लाइन लिस्टिंग के अनुसार रोहतास जिले में 1500 से 1600 हाथीपांव के पीड़ित मरीज

पाए गए हैं।

लक्ष्य पर दिया जा रहा है बल

इस वर्ष 10 अगस्त से (एमडीए) सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरुआत होनी है, इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से फाइलेरिया की स्थिति का पता करके एमडीए अभियान पर बल दिया जाएगा। नाईट ब्लड सर्वे के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा प्रत्येक गांव में 300 लोगों का सैंपल एकत्रित करने का दिशा निर्देश दिया गया है। इस तरह से रोहतास जिले में 42 गांव में 12600 लोगों का रक्त संग्रहित कर जांच किया जाना है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जिला फाइलेरिया विभाग द्वारा अभियान

जारी है। जिले में 19 जून से शुरू नाईट ब्लड सर्वे 24 जून तक आयोजित किया जाएगा। पिछले 3 दिनों में रोहतास जिले में अब तक 4200 से अधिक लोगों का रक्त संग्रह कर लिया गया है।

हाथीपांव का नही है कोई इलाज

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी जयप्रकाश गौतम ने बताया कि हाइड्रोसील का ऑपरेशन करा कर फाइलेरिया से छुटकारा पाया जा सकता है परंतु हाथीपाव का इलाज या ऑपरेशन पूरे भारत में मौजूद नहीं है। उन्होंने बताया कि हाथीपांव का लक्षण सामान्यतः शुरूआती दौर में दिखाई नहीं देता है। इसके परजीवी शरीर में

प्रवेश करने के बाद 8 से 10 सालों में इसके लक्षण दिखाई देता है तब तक बहुत देर हो जाती है और यह मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया के परजीवी रात्रि में ही सक्रिय होते है, इसलिए इसकी जांच के लिए सैम्पल रात्रि 8.30 बजे से लेकर 12:00 बजे तक एकत्रित किया जाता है और 24 घंटे के भीतर सैंपल की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि सामान्य दिखने वाले लोग में भी फाइलेरिया ले परजीव हो सकते हैं ऐसे में सामान्य दिखने वाले लोग भी अभियान के तहत अपना जांच जरूर करवाएं, क्योंकि यह अभियान साल में एक ही बार चलाया जाता है।

सामान्य दिखाई देने वाले लोगों में भी हो सकते हैं फाइलेरिया के परजीवी, कराएं जांच

नवप्रदेश प्रतिनिधि सासाराम। देश से 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर सरकार लगातार प्रयासरत है। इसके लिए लगातार कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर प्रतिवर्ष सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाई जाती है जिसमें फाइलेरिया के परजीवी को बढ़ने से रोकने के लिए लोगों को दवा खिलाई जाती है। इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से लोगों के रक्त की जांच करके फाइलेरिया पीड़ित क्षेत्र का पता लगाया जाता है साथ ही लोगों में फाइलेरिया के परजीवी का भी पता लगाया जाता है। रोहतास जिले में इस बार एक साथ सभी 19 प्रखण्डों में जारी नाइट ब्लड सर्वे अभियान



जारी है। पिछले वर्ष जिले के 7 प्रखंडों में 8 गांव नाईट ब्लड सर्वे अभियान चलाया गया था। इस दौरान लगभग 4000 लोगों का सैंपल जांच किया गया था जिसमें 43 के आसपास लोग फाइलेरिया से पीड़ित पाए गए थे। वही इस बार

सभी प्रखंड के कुल 42 गांव में एक साथ नाइट ब्लड सर्वे अभियान चलाया जा रहा है। जिला फाइलेरिया विभाग एवं केयर इंडिया टीम के द्वारा लाइन लिस्टिंग के अनुसार रोहतास जिले में 1500 से 1600 हाथीपांव के पीड़ित मरीज

पाए गए हैं।

लक्ष्य पर दिया जा रहा है बल

इस वर्ष 10 अगस्त से (एमडीए) सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरुआत होनी है, इसके पूर्व नाइट ब्लड सर्वे के माध्यम से फाइलेरिया की स्थिति का पता करके एमडीए अभियान पर बल दिया जाएगा। नाईट ब्लड सर्वे के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा प्रत्येक गांव में 300 लोगों का सैंपल एकत्रित करने का दिशा निर्देश दिया गया है। इस तरह से रोहतास जिले में 42 गांव में 12600 लोगों का रक्त संग्रहित कर जांच किया जाना है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जिला फाइलेरिया विभाग द्वारा अभियान

जारी है। जिले में 19 जून से शुरू नाईट ब्लड सर्वे 24 जून तक आयोजित किया जाएगा। पिछले 3 दिनों में रोहतास जिले में अब तक 4200 से अधिक लोगों का रक्त संग्रह कर लिया गया है।

हाथीपांव का नही है कोई इलाज

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी जयप्रकाश गौतम ने बताया कि हाइड्रोसील का ऑपरेशन करा कर फाइलेरिया से छुटकारा पाया जा सकता है परंतु हाथीपाव का इलाज या ऑपरेशन पूरे भारत में मौजूद नहीं है। उन्होंने बताया कि हाथीपांव का लक्षण सामान्यतः शुरूआती दौर में दिखाई नहीं देता है। इसके परजीवी शरीर में

प्रवेश करने के बाद 8 से 10 सालों में इसके लक्षण दिखाई देता है तब तक बहुत देर हो जाती है और यह मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया के परजीवी रात्रि में ही सक्रिय होते है, इसलिए इसकी जांच के लिए सैम्पल रात्रि 8.30 बजे से लेकर 12:00 बजे तक एकत्रित किया जाता है और 24 घंटे के भीतर सैंपल की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि सामान्य दिखने वाले लोग में भी फाइलेरिया ले परजीव हो सकते हैं ऐसे में सामान्य दिखने वाले लोग भी अभियान के तहत अपना जांच जरूर करवाएं, क्योंकि यह अभियान साल में एक ही बार चलाया जाता है।

सामान्य दिखाई देने वाले लोगों में भी हो सकते हैं फाइलेर

संपादकीय



आस्था और मनोरंजन

सोशल मीडिया के दौर में फिल्मों के संवाद लेखक, गीतकार आदि भी शब्दों पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे हैं। फिल्मों को सफल बनाने के लिए कलाकारों के डायलॉग्स में कई ऐसे शब्दों का प्रयोग कर देते हैं, जो सड़क छाप होते हैं या फिर बोली से लिये गये शब्द होते हैं। इन शब्दों का भाषा के शब्दकोष में कहीं स्थान नहीं होता है। हालाँकि यह पहली बार नहीं हुआ है, हमेशा और पुराने जमाने से होता आया है। कहीं गीतों में बोली के शब्द तालमेल बैठाने या सुर-लय के लिए लिये जाते रहे हैं। जैसे-फिल्म कुली का एक गाना- न देखा अग्गाड़ी, न देखा पिछड़ी, एक्सीडेंट हो गया रब्बा-रब्बा...। या फिर फिल्म दबंग का एक संवाद-हम तुम में इतने छेद करेंगे कि कम्प्यूज हो जाओगे कि सांस कहाँ से लूँ और....। सामान्य फिल्मों में यह चल जाता है, क्योंकि आम लोग अपनी भाषा अथवा बोली के शब्दों में आनंद लेते हैं, लेकिन आस्था पर आधारित कहानी पर बनी फिल्मों में उसके स्थापित शब्दों, परंपराओं और आदर्शों से छेड़छाड़ श्रद्धालु पसंद नहीं करते हैं। यह छेड़छाड़ उनकी आत्मा पर चोट करती है। आज हालत यह है कि एक बड़ा निर्माता राम-लक्ष्मण, सीता-हनुमान, रावण, मेघनाथ, विभीषण सहित कई किरदारों के साथ वह हो जाने देना चाहता है, जो एक निर्देशक चाहता है और वह निर्देशक वह सबकुछ किरदारों से कहलुवा देना चाहता है, जो संवाद लेखक कहलवाना चाहता है। फिल्म आदिपुरुष हो या फिर कोई और, एक फिल्म के पदें पर पहुँचने से पहले तक की यात्रा जितने पड़ावों से गुजरती है, उनमें से कई ऐसे पड़ाव आते हैं, जहां निर्माता-निर्देशक और लेखक अपने किये पर सोच-विचार कर सकते हैं। लेकिन निर्माता मीडिया के माहौल में लगता है ये निर्माता, निर्देशक और लेखक भी प्रभावित हो गये हैं। भारतीय संस्कृति में राम मर्यादा पुरोषोत्तम हैं। उनके संवाद, उनके आदर्श से लोग प्रेरणा लेते हैं। भारतीय समाज में राम और रामायण के सभी पात्रों का उदाहरण दिया जाता है। इनकी छवि और स्वरूप से फिल्मों के छेड़छाड़ से पहले लेखक और निर्देशक को विचार जरूर करना चाहिए था। उसके बाद सेंसर बोर्ड को भी सोचना चाहिए था। सेंसर बोर्ड सोचा रहेगा, निर्माता चुप्री साधेगा, निर्देशक भड़भड़ाएगा और एक संवाद लेखक सफाई देता रहेगा, तो भी आस्था पर चोट कोई भी बर्दाश्त नहीं करेगा। हर स्तर की लापरवाही के कारण ही देश के दिल में घड़कने वाले कालजयी ग्रंथ रामायण की राम कथा आदिपुरुष जैसी रचनात्मकता के साथ फिल्मी पदें पर उतर पाया। आदिपुरुष यकीनन एक ऐतिहासिक फिक्म है, जिसे बॉलीवुड लंबे समय तक याद रखेगा, लेकिन इस मायने में कि इस फिक्म से बॉलीवुड के सारे कैंप समझ जाएंगे कि मजाक करना और फिल्म बनाने में अंतर होता है। फिल्म के संवाद लिखते समय अब लेखक यह जरूर विचार करेंगे कि शब्दों के साथ खिलवाव न हो। मजाक के शब्दों के सहारे आस्था से जुड़े विषयों पर फिल्म अब शायद नहीं बन पायेंगे। उम्मीद है कि बॉलीवुड एक सबक इस फिल्म के बहाने याद रखेगा।

सामयिकी

मानवता के लिए है योग

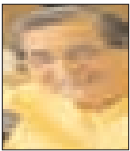
सुरक्षित गोस्वामी

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग के संदर्भ में दुनिया को बढ़ा संदेश दिया है। दरअसल, मोदी जी केवल राजनेता ही नहीं, बल्कि विचारक भी हैं, जो विश्व योग दिवस के खास मौके पर अमेरिका की यात्रा पर हैं, जहां वह अनेक गणमान्य व्यक्तियों से मिल रहे हैं। ऐसे में मोदी जी अपनी चर्चा में उनको बता सकते हैं कि स्वामी विवेकानंद जी ने जो अमेरिकी वासियों को मेरे प्यारे भायों और बहोत कर सम्बोधित किया था, वह उद्धोष वसुधैव कुटुंबकम की अवस्था में आकर ही हो सकता है और यह अवस्था योग से प्राप्त होती है। योग के आसन केवल शरीर स्वस्थ बनाने तक ही कार्य नहीं करते, बल्कि भीतर के सुख की अनुभूति भी कराते हैं, इसलिए पतंजलि कहते हैं स्थिर सुखमासनम्। अर्थात आसन करने से हमारा शरीर स्थिर और चित्त सुख से भर जाता है, यानि स्थिरता और सुख का जोड़ ही आसन है। प्रत्येक आसन हमको आंतरिक सुख की तर्फ ले जाता है। योग का निरंतर अभ्यास आनंद में टिका देता है। आनंद से भरकर ही हममें वसुधैव कुटुंबकम के भाव टिक सकते हैं। योग मानवता के लिए है और यही मानवता का सन्देश विश्व पटल पर मोदी जी द्वारा दिया जा रहा है। मोदी जी कह सकते हैं कि भारत विश्व के आखिरी व्यक्ति तक योग पहुंचाना चाहता है, जिससे सभी आनंद से भर सकें। अमेरिका का संधिधान कहता है कि हमारा लक्ष्य खुशी की तलाश है परशुट ऑफ हैपीनेस, लेकिन योग कहता है कि तुम पहले से ही आनंद स्वरूप हो। जो आनंद से भरा है वह खुशी की तलाश नहीं करता। गांधी जी जेल में गीता का अनुवाद करते हैं और गीता का अनुवाद आनंद की अवस्था में ही किया जा सकता है। जेल में उनके पास कोई सुख-सुविधा नहीं थी, तो उनको सुख की तलाश नहीं थी क्योंकि वो पहले ही आनंद से भरे थे। आज दुनिया के विकसित देश खुशी की दौड़ में लगे हैं, जिसको पाने के लिए वो हर अच्छे-बुरे कर्म कर लेते हैं, लेकिन योग व्यक्ति को भीतर आनंद से भर देता है, जिससे व्यक्ति कर्मयोगी बन जाता है। खुशी बाहर से आती है, आनंद पहले से ही भीतर है। खुशी के लिए कुछ करना पड़ता है, आनंद के लिए बस योग अपनाना होता है। क्योंकि खुशी बाहर से आती है, इसलिए चली भी जाती है और आनंद कहीं से आता नहीं, इसलिए वो जाता भी नहीं। आनंद हमारे भीतर पहले से ही है। प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में योग किया और इस बार एक रिकार्ड यह बना कि एक साथ दुनिया के 135 देश योग में शामिल हुए। इस मौके पर मोदी जी ने दुनिया को विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। दुनिया के सभी देशों को एक होने का संदेश दिया है। मानवता के लिए एकता का संदेश दिया। मानवता के लिए योग अपनाने का संदेश दिया, ताकि योग के बहाने दुनिया के लोग एक हो जायें। जब दुनिया एक होगी, तो कई समस्याओं का स्वतः ही अंत हो जायेगा। योग से मोदी जी ने दुनिया को जोड़ने का संदेश दिया।



डा. मर्यांक चतुर्वेदी

वस्तुतः हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये वही मनोज मुंतशिर हैं, जिन्होंने पूरे देश की रंगों में देशभक्ति की भावना जगा देने वाला गीत तेरी मिट्टी में मिल जावां, गुल बनके मैं खिल जावां, इतनी सी है दिल की आरजू (केसरी) और कौन है वो कौन है वो कहां से वो आया, चारों दिशाओं में तेज सा वो छाया, उसकी भुजाएं बदले कथाएं, भागीरथी तेरी तरफ शिवजी चले देख जरा ये विचित्र माया (बाहुबली) जैसे गीत लिखे हैं।



आरके सिन्हा

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के माध्यम से करीब 35 लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट प्रस्ताव पाने वाला यूपी अपने एक ट्रिलियन इकोनॉमी बनने के पथ पर तेजी से बढ़ रहा है। उसके इस संकल्प में प्रदेश के युवा भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

इस समय राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे कई विषयों में से एक फिल्म 'आदिपुरुष' की चर्चा भी है। चर्चा के केंद्र में फिल्म से अधिक इसके संवाद लिखने वाले मनोज मुंतशिर हैं, जिनकी रचनाएं पिछले दिनों राष्ट्रीय चेतना जागरण के संदर्भ में देश भर में चारों ओर सुनाई देती रही हैं। अभी भी देश में अनगिनत लोग ऐसे मिल जाएंगे जिनके मोबाइल की रिंगटोन मनोज मुंतशिर के लिखे किसी गाने के मुखड़े से शुरू होती है।

यहां बात फिल्म 'आदिपुरुष' में लिखे संवाद पर विवाद की हो या बजरंगबली को उनके द्वारा प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त कहे जाने पर, जो भी हो। फिलहाल सर्वत्र उनसे जुड़ा विवाद इतना गहराया हुआ है कि कल तक उनके जो समर्थक रहे, आज वह उनसे नाजज हैं। उनके लिए जो नहीं कहा जाना चाहिए, वह तक कहा जा रहा है। कुछ हद तक यह स्वभाविक भी लगता है, क्योंकि जिस जनता ने इन्हें नाम और पहचान दी, वही आज उनसे नाराज होने का हक भी रखती है। क्योंकि जिससे उम्मीद न हो यदि वह ऐसा कुछ कर गुजरे जो उसे नहीं करना था तो स्वभाविक परिणाम ऐसे ही आते हैं।

देखा जाए तो मनोज मुंतशिर इस समय बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। उनकी कही हर बात के समानार्थी दूसरे अर्थ भी निकाले जा रहे हैं। हर कोई जहां देखो वहां, उन्हें कटघरे में खड़ा करता हुआ नजर आ रहा है। किंतु इस सबके बावजूद कहना होगा कि थोड़ा ठहरिए! समग्रता से विचार किए हम जो मनोज मुंतशिर को लेकर सोच रहे हैं, उसमें कितनी सच्चाई है? हो सकता है वे तथ्याकथित सेक्स्युअलिज्म के शिकार हो गए हों। मुंबई जैसे बड़े महानगर में यह भी हो सकता है कि सिमिमा जगत से जुड़े उनके किसी साथी ने उन्हें नया करने के लिए कहा हो और वह इस फिल्म के अनेक संवादों में कुछ ऐसे संवाद प्रयोगात्मक रूप से लिख गए, जो अब उनकी आलोचना का कारण बने हुए हैं। किंतु क्या उनकी इस एक गलती के कारण से पूर्व में किए गए उनके सभी श्रेष्ठ कार्यों को नजरअंदाज करना ठीक होगा?

वस्तुतः मनोज मुंतशिर के साथ अभी जो घट रहा है, उसको लेकर वीर बंदा बैरागी का समय याद आ गया। इतिहास में जो उनके साथ घटा दूसरे अर्थों में ऐसा ही कुछ इस लेखक के साथ हो रहा है। बंदा बैरागी एक



ऐसा नाम, जिसने उत्तर भारत के क्षेत्र में अपने समय के उस मिथक को तोड़ दिया था कि आतंक के प्रतीक मुगलों पर कभी भी विजय प्राप्त नहीं की जा सकती। बंदा बैरागी ने तत्कालीन समय में हिन्दू एवं सिखों को साथ लेकर एक ऐसी सेना का गठन किया, जिन्होंने न केवल खालसा पंथ की नींव को मजबूत किया, बल्कि मुगल सेना को भी सशक्त योजना से जीता था।

आज का पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल समेत पाकिस्तान में जा चुका बहुत बड़ा क्षेत्र इस बात का गवाह है कि बंदा बैरागी अजय योद्धा के रूप में मुगलों के सामने खड़े थे, जिन्हें झुकाना और हराना मुगलों के लिए संभव नहीं हो रहा था। इनका पराक्रम इतना अधिक रहा कि साहबजादों की शहादत का बदला इन्होंने लिया। गुरु गोबिन्द सिंह द्वारा संकल्पित प्रभुसत्ता 'खालसा राज' की राजधानी लोहगढ़ में सिख राज्य की नींव रखी। गुरु नानक देव और गुरु गोबिन्द सिंह के नाम से सिक्का और मोहरें जारी की, निम्न वर्ग के लोगों की उच्च पद दिलाया और अपने समय में हल वाहक किसान-मजदूरों को जमीन का मालिक बनाया।

अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध एवं सत्य के लिए सदैव डटकर खड़े रहनेवाले एक वीर योद्धा के रूप में उनका इतिहास में महत्व किताना अधिक है, यह गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर, वीर सावरकर तथा मैथिलीशरण गुप्त द्वारा उन पर लिखी कविताओं से लगाया जा सकता है। वस्तुतः वीर बंदा बैरागी पर इन तीनों ने ही अद्भुत काव्य लेखन किया है। इनमें स्वातंत्र्यवीर सावरकर अपने को कविता तक सीमित नहीं रखते। इसके आगे भारतीय

इतिहास पर मराठी में लिखी अपनी पुस्तक "भारतीय इतिहासतील सहा सेनारी पाने" में बंदा बैरागी की वीरता का वर्णन विस्तार से करते हैं। वे लिखते हैं कि हिंदू इतिहास से उस वीर शहीद का नाम कभी भी नहीं मिटाया जा सकता, जिन्होंने मुगलों द्वारा हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का न केवल विरोध किया, बल्कि उन पर सशस्त्र आक्रमण भी किया। अपनी पुस्तक में सावरकर लिखते हैं कि तत् खालसा के बैनर तले सिखों का एक बड़ा दल बंदा बैरागी की सेना से अलग हो गया, जिसके कारण उनकी सेना कमजोर पड़ गयी। यदि ऐसा न हुआ होता तो युद्ध के परिणाम कुछ और होते। वस्तुतः इस एक घटना के साथ ही आज का मनोज मुंतशिर का वाक्या चुड़ा हुआ है। हुआ यह था कि दिल्ली की गद्दी पर बैठा अब्बुल मुजप्फरुद्दीन मुहम्मद शाह फर्रूख सिवर ने देखा कि एक के बाद बंदा बैरागी के नेतृत्व में हिन्दू-सिख सेना हर जगह जीत रही है, तब उसने एक चाल चली, एक पत्र तैयार किया, जिसमें कहा गया कि बंदा बैरागी खुद सिखों का 11वां गुरु बनना चाहता है, जबकि उसने तो अब तक अमृत भी नहीं छका है, ऐसे में वह सिख भी नहीं है। पहले वह अमृत छके तब सिख खालसा सेना का नेतृत्व करे। पत्र की भाषा ही कुछ ऐसी थी कि जिस भी सिख ने उसे पढ़ा, उनमें से कई इस बात पर सहमत दिखे कि बंदा बैरागी पहले अमृत छके।

बादशाह फर्रूख सिघर का यह पत्र अमृतसर के जल्येदारों को भेजा गया था। उस समय ही बंदा बैरागी मुगलों के समूल नाश के लिए एक बड़ी योजना पर कार्य कर रहे थे और वैशाखी पर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। परीक्षा 13 भाषाओं असमिया, बांग्ला, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित की गई थी। बेशक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के लिए भी यह बड़ी उपलब्धि है। हिलचल्य है कि कुछ वर्ष पहले तक बीमारू राज्यों में शामिल यूपी आज एक अग्रणी और स्मार्ट नीति के सफल कार्यान्वयन के साथ तेजी से विकास कर रहा है। देश के जीडीपी में राज्य आठ प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। यूपी सरकार ने आगामी पांच वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में एक ट्रिलियन डॉलर के योगदान का लक्ष्य निर्धारित किया है। यानी, भारत के विकास को इस रेलगाड़ी के लिए देश का सबसे बड़ा सुबा उत्तर प्रदेश ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। जिस प्रदेश के युवा अपने प्रोफेशनल शिक्षा और भविष्य की लेकर इतने जागरूक हों, वहां कारोबारी दशा भी साथ के साथ बेहतर होगी, ऐसा मानकर चलने की बात हवाई नहीं, बल्कि इसके कई तार्किक आधार हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के माध्यम से करीब 35 लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट प्रस्ताव पाने वाला यूपी अपने एक ट्रिलियन इकोनॉमी बनने के पथ पर तेजी से बढ़ रहा है। उसके इस संकल्प में प्रदेश के युवा भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। तभी तो उत्तर शेरव बाजार में नए निवेशकों की संख्या के मामले में देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

पर प्रतिवर्ष अकाल तख्त पर लगनेवाले अपने दरबार में इसकी घोषणा करनेवाले थे, किंतु इससे पहले इस पत्र ने सिखों को दो भागों में बांट दिया। अमृतसर के कुछ जल्येदारों ने जब बंदा बैरागी से कहा, पहले अमृत छको, तब उन्हें इस तरह से उनका यह कहना अच्छा नहीं लगा। उन्होंने उन जल्येदारों से यही कहा था कि गुरु साहब (गोविंद सिंह) ने इस बात के लिए नहीं कहा, सीधे उन्होंने मुगलों से संघर्ष करने के लिए भेज दिया तब तुम कैसे इसके लिए दबाव बना सकते हो? और उसके बाद इतिहास में सब कुछ दर्ज है। सिखों का एक बड़ा दल बंदा बैरागी की सेना से अलग हो गया था, जो आगे उनके जीवन में मुगल सेना से हार का बड़ा कारण बना।

यह भी समझने की बात है कि ये हार सिर्फ उनकी अपनी नहीं थी, क्योंकि भारद्वाज गौरी डोगरा परिवार में जन्में वे अपने किसी निजी स्वार्थ के लिए मुगलों से युद्ध करने दक्षिण भारत के नांदेड से चलकर उत्तर भारत के पंजाब क्षेत्र में नहीं आए थे। उनका लक्ष्य उस विचार एवं दृष्टि से लड़ना था, जोकि इस्लाम के आगे सभी को बौना मानकर चलती और उसके नष्ट हो जाने की कामना करती है। सिखों का एक बड़ा दल जब बंदा बैरागी से अलग हो जाता है तब भविष्य में क्या-क्या हुआ यह हर भारतीय को जरूर पढ़ना चाहिए। वास्तव में इतिहास में दर्ज इस कथानक की तरह आज की यही लग रहा है कि जैसे कभी बंदा बैरागी के साथी दो खेमों में बंट गए थे, वैसा ही दुश्मन मनोज मुंतशिर के मामले में सर्वत्र दिखाई दे रहा है। वस्तुतः हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये वही मनोज मुंतशिर हैं, जिन्होंने पूरे देश की रंगों में देशभक्ति की भावना जगा देने वाला गीत तेरी मिट्टी में मिल जावां, गुल बनके मैं खिल जावां, इतनी सी है दिल की आरजू (केसरी) और कौन है वो कौन है वो कहां से वो आया, चारों दिशाओं में तेज सा वो छाया, उसकी भुजाएं बदले कथाएं, भागीरथी तेरी तरफ शिवजी चले देख जरा ये विचित्र माया (बाहुबली) जैसे गीत लिखे हैं। इसके अलावा भी बहुत कुछ अच्छा है जो उनमें छुपे में जाता है, इसलिए सिर्फ विरोध नहीं, तथ्यों को समझें, वे भी कहीं इतिहास के वीर बंदा बैरागी की तरह कटुता का शिकार न हो जाएं, यह भी हम सभी को देखना होगा। यदि मनोज मुंतशिर से कोई गलती हुई भी है तो उसे सुधारने का उन्हें अवसर भी दे।

शेयर निवेश-मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में कामयाबी

बीते दिनों उत्तर प्रदेश (यूपी) को लेकर दो बड़ी खबरें आईं, जिसने देश के सबसे बड़े सुबे की अलग छवि दुनिया के समक्ष पेश की। पहली खबर आई कि बीते अप्रैल महीने में शेयर बाजार से जुड़ने वाले नए निवेशकों की संख्या के मामले में यूपी ने देश की आर्थिक राजधानी महाराष्ट्र तक को पीछे छोड़ दिया है। बाँबू स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के मुताबिक, नए डीमैट खाते खोलने में यूपी ने महाराष्ट्र के अलावा भी सभी अन्य राज्यों को पीछे छोड़ दिया। इस तरह यूपी की एक साल में 37% की बढ़त हुई है। इसी अवधि में महाराष्ट्र की ग्रोथ 20%, गुजरात की 15%, राजस्थान की 26% और कर्नाटक की 20% ही रही है। शेयर बाजार में यूपी की ठसक लगातार ही बढ़ रही है। शेयर बाजार के गढ़ महाराष्ट्र को ही यूपी वालों ने सीधी टक्कर दे दी है। बीएसई के मुताबिक एक साल में यूपी से 35 लाख नए निवेशकों ने शेयर बाजार में प्रवेश किया है। हालांकि एक समय था जब महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों राज्यों को शेयर बाजार की जान माना जाता था। शेयर बाजार में यूपी के बढ़ते कदम के लिए राज्य की जनता की आय बढ़ने, महिलाओं का बाजार में रुझान और जोखिम की क्षमता उठाने की प्रकृति प्रमुख वजहें हैं। शेयर बाजार के कुल कारोबार में सालाना 1.28 लाख करोड़ का घंघा मात्र यूपी से हो रहा है। इसमें भी 30% की वृद्धि हुई है। इस बीच, अगर हम बीते कुछ सालों पर नजर दौड़ाएं तो यूपी से 2021-22 में 92 लाख निवेशकों ने यह आंकड़ा 2022-23 में हो गया 1.27 करोड़।

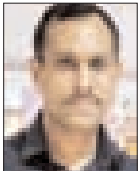
दूसरी खबर नीट-यूजी से जुड़ी है। डॉक्टरी शिक्षा में दाखिले के लिए आयोजित इस परीक्षा में यूपी के अभ्यर्थियों ने सर्वाधिक बाजी मारी। इस वर्ष के परिणाम में सबसे ज्यादा संख्या यूपी के विद्यार्थियों की रही। महाराष्ट्र और राजस्थान दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इन दोनों खबरों ने बदलते हुए उत्तर प्रदेश में हो रहे विकास की प्रत्यक्ष तस्वीर हमारे सामने रख दी है। इस बीच नेशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के नीट-यूजी रिजल्ट में इस साल सबसे अधिक यूपी के स्टूडेंट पास हुए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और राजस्थान का स्थान है। लगभग 20.38 लाख में से कुल 11.45 लाख परीक्षार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। बात संख्या की करें तो यूपी की इस सफलता का वजन और चमक दोनों ज्यादा महसूस होगा। यूपी में सबसे अधिक 1.39 लाख, महाराष्ट्र में 1.31 लाख और राजस्थान में एक लाख से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र देश के दो सबसे अधिक आबादी वाले राज्य हैं, जबकि राजस्थान भी जनसंख्या के मामले में शीर्ष दस राज्यों में आता है। शीर्ष पांच में केरल और कर्नाटक दो अन्य राज्य हैं, जिनमें से प्रत्येक ने 75,000 से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। नीट-यूजी देश की बड़ी और प्रतिष्ठित प्रतियोगिता परीक्षा है। यह परीक्षा भारत के बाहर 14 शहरों- आबूधाबी, बैंकॉक, कोलंबो, दोहा, काठमांडू, कुआलालंपुर, लागोस, मनामा, मस्कट, रियाद, शारजाह, सिंगापुर, दुबई और कुवैत सिटी में आयोजित की गई थी।

यह आंकड़ा 2022-23 में हो गया 1.27 करोड़।

पर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। परीक्षा 13 भाषाओं असमिया, बांग्ला, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित की गई थी। बेशक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के लिए भी यह बड़ी उपलब्धि है। हिलचल्य है कि कुछ वर्ष पहले तक बीमारू राज्यों में शामिल यूपी आज एक अग्रणी और स्मार्ट नीति के सफल कार्यान्वयन के साथ तेजी से विकास कर रहा है। देश के जीडीपी में राज्य आठ प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। यूपी सरकार ने आगामी पांच वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में एक ट्रिलियन डॉलर के योगदान का लक्ष्य निर्धारित किया है। यानी, भारत के विकास को इस रेलगाड़ी के लिए देश का सबसे बड़ा सुबा उत्तर प्रदेश ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। जिस प्रदेश के युवा अपने प्रोफेशनल शिक्षा और भविष्य की लेकर इतने जागरूक हों, वहां कारोबारी दशा भी साथ के साथ बेहतर होगी, ऐसा मानकर चलने की बात हवाई नहीं, बल्कि इसके कई तार्किक आधार हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के माध्यम से करीब 35 लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट प्रस्ताव पाने वाला यूपी अपने एक ट्रिलियन इकोनॉमी बनने के पथ पर तेजी से बढ़ रहा है। उसके इस संकल्प में प्रदेश के युवा भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। तभी तो उत्तर शेरव बाजार में नए निवेशकों की संख्या के मामले में देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

वाले राज्य महाराष्ट्र और गुजरात को पीछे छोड़ दिया है। करीब 20 करोड़ जनसंख्या वाले यूपी में अबतक तो शेयर बाजार में कारोबार करने की सीमित संस्कृति ही रही है। इतना ही नहीं साल 2018-19 में वैश्विक महामारी से पहले महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था 25.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया था। इसकी तुलना में यूपी की अर्थव्यवस्था का अनुमान 15.8 लाख करोड़ रुपये था। ऐसे में यूपी ने परंपरागत रूप से भारत के निवेशकों का सबसे बड़ा स्रोत माने जाने वाले महाराष्ट्र को भी पीछे छोड़ कर इतिहास रचा है। यूपी अब न केवल उद्योग के लिए सेंटर ऑफ एक्सप्लोस के रूप में उभरा है और निवेशकों की पहली पसंद बना है, बल्कि यहां के युवा भी बाजार का तकाजा समझते हुए निशर्ष की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। इस बार यूपी सरकार ने जब करीब 7 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया तो उसमें इस बात की चर्चा खासतौर पर हुई कि सरकार ने समाज के उन वर्गों की भी हित और कल्याण की बात कही, जो अब तक प्रदेश की आर्थिक रचना से बाहर माने जाते थे। विकास का यह सर्व-वर्षर्शी और सर्व-समावेशी तकाजा जमीन पर तब और मजबूत हो जाता है, जब इसके साथ सरकार का अपना तंत्र भी सहायक हो जाता है। उत्तर प्रदेश के शेर बाजार में निवेश और यहां के छात्रों की सफलता के नए दृश्य यूपी में विकास के साथ-साथ बढ़े बदलाव की दस्तां बयां करते हैं।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)



योगेश कुमार गोयल

प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे।

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 103 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 पदक भारत की झोली में डाले थे। ओलम्पिक खेलों की शुरुआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराक्लस द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जा रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात् 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था। अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरुआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमेट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान



में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं। फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने

आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-पर्सियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत

की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिग्गम में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिर से पुरः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कॉफ्रेंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल करार जाने के पक्ष में वोट दिया और तब किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमेट्रियोस

विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुईं। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरुआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैंपियन बनने का गौरव हासिल है। पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन्-1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी भागीना का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है। ओलम्पिक खेलों के उद्घाटन के समय स्टैंडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से एक-एक करके दूसरे देशों की टीमें स्टैंडियम में प्रवेश करती हैं जबकि मेजबान देश की टीम सबके बाद स्टैंडियम में पहुंचती है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एक नजर

अशोक सिंह का प्रयास बहुत ही सराहनीय, मेरे 2001 के सपने को आज पूरा होता देख हो रही खुशी : सांसद पीएन सिंह

नव प्रदेश धनबाद । अॉर्गिनिक तरीके से उत्पादित टमाटर से बने बिना लहसुन-प्याज के कैचप का लोकार्पण सांसद पशुपति नाथ सिंह ने किया । जैन और मारवाड़ी समाज तथा सावन और कार्तिक में लोगों की भावना को ध्यान में रखते हुए धनबाद के किंमस अॉर्गिनिक ने विशेष रूप से यह कैचप तैयार किया है. वैसे, अॉर्गिनिक तरीके से उत्पादित टमाटर से बना यह कैचप देश का पहला प्रयास बन गया है. कैचप की लॉन्चिंग पहली बार पिछले साल झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बनना गुला सहित महामामा विधायक दीपिका पांडे सिंह और अन्य लोगों ने किया था. उसके बाद से ही यह रफ्तार पकड़ लिया है और धीरे-धीरे अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहा है. धनबाद के वरीय कांग्रेस नेता सह समाज सेवी अशोक कुमार सिंह, जिनकी फितरत ही रही है, लोक से हटकर सोचना और काम करना , उन्हीं की यह योजना और परिyoजना ब्रेन चाइलड है. इसे आगे बढ़ाने के लिए जी जान से जुटे हुए है. मकसद सिर्फ कैचप बनाना और बेचना नहीं है, बल्कि इसका असली मकसद है धनबाद के किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध और ताकतवर बनाना है. बुधवार के लॉन्चिंग कार्यक्रम में आप पार्टी के प्रदेश संयोजक दी एन सिंह ने कहा कि धनबाद के किसानों के लिए उत्कृष्ट काम हो रहा है. इसमें धनबाद के सभी लोगों को सहयोग करना चाहिए. गुजराती समाज के अध्यक्ष किरीट चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का ध्यान रखने वाले अशोक कुमार सिंह को हम धन्यवाद देते हैं और उनके इस प्रयास, साहस और हिम्मत की जितनी भी सराहना की जाए।

ऐसा कोई गांव नहीं जहां कांग्रेस जिलाध्यक्ष के पांव नहीं, कार्यक्रम की हुई जोरदार शुरूआत

धनबाद/गोविंदपुर। गुरुवार को गोविंदपुर क्षेत्र के तिलाबनी पंचायत मयरा गांव में देर रातको ऐसा कोई गांव नहीं जहां कांग्रेस जिलाध्यक्ष के पांव नहींई कार्यक्रम के तहत कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह पहुंचे। जहां ग्रामीणों भव्य स्वागत किया। ग्रामीणो से मिलकर जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कांग्रेस की विचारधारा से लोगों को अवगत कराया। इस दौरान दर्जनों ग्रामीण कांग्रेस मे शामिल हुए। जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने ग्रामीणो को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार देश की ऐतिहासिक धरोहरों को भी बर्बाद करने पर उतारू हैं। जहां एक तरफ देश की आम जनता मंहगाई, गरीबी, बेरोजगारी से भरत हैं तो वहीं दूसरी तरफ भाजपा जाति -धर्म के नाम पर सत्ता के लोभ में आम जनता को बेवकूफ बना रही हैं। सबसे बड़े भ्रष्टाचारी अडानी के पोल खुल जाने के बाद भी आखिर प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर एक शब्द भी क्यों नहीं बोलते हैं। जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने आजादी के बाद देश के विकास में अभुतपूर्व कार्य किए हैं, वहीं दूसरी तरफ मोदी सरकार सरकारी संस्थांनों को भी बेचने पर उतारू हैं। देश की जनता अब इस धोखेबाज सरकार को अच्छी तरह से समझ और पहचान गई हैं। 2024 आगामी संसदीय चुनाव में देश की जनता के आर्शिवाद -सर्मथन से कांग्रेस जोरदार प्रदर्शन करने जा रही है, इसमें कोई दो राय नहीं हैं। जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने नेहरू म्युजियम का नाम बदने पर कहा मोदी सरकार कांग्रेस के बनाए संस्थान का नाम बदलकर कांग्रेस का इतिहास भुलाना चाहती है। भाजपा सरकार ने नौ साल मे लोगो के आंख मे धुल झाँकने के अलावा कुछ नही किया।

वज्रपात की चपेट में आने से महिला की मौत

टंडवा । आकाशीय बिजली का कहर इन दिनों चतरा जिले क्षेत्र में जारी है। टंडवा के सराडू पंचायत के कुड़लौंगा गांव निवासी जुगेश भुइयां की 23 वर्षीय पत्नी टीपू देवी की मौत वज्रपात की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही हो गई। बताया जाता है कि मृतका अपने घर के बगल में पालतू जानवर बांधा हुआ खोलकर अपने घर ले जा रही थी। इसी बीच जोरदार बारिश और कड़क के बीच वज्रपात हो जाने से टीपू देवी की मौत हो गई। घटना करीब 5 बजे की है। बताया जाता है कि मृतक का एक दुधमुंहा बच्चा है। सूचना पाकर सराडू मुखिया सीता देवी सरपंच गीता देवी पहुंचकर परिवार वालों के साथ होने की बात कही है।

लघु सिंचाई विभाग की हुई समीक्षात्मक बैठक

नव प्रदेश गुमला । उपायुक्त सुशांत गौरव के निर्देश के आलोक में किसानों की आय में वृद्धि करने एवं कृषि कार्य को बढ़ावा देने हेतु विविध योजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा रहा है। इस क्रम में विभिन्न ग्रामों में चेकडैम एवं वियर का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इन चेक डैमों एवं वियरों के के बन जाने के बाद विभिन्न गांवों के सैकड़ों किसान लाभान्वित होंगे। इसी क्रम में आज गुरुवार को उपायुक्त सुशांत गौरव ने लघु सिंचाई विभाग द्वारा बनाए जा रहे चेक डैम एवं वियर निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिती की समीक्षा की। लघु सिंचाई विभाग द्वारा जिले में कुल 23 चेक डैम का निर्माण किया जा रहा है जिसमें से 11 चेक डैम का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है वहीं विभाग द्वारा 7 वियर का भी निर्माण किया जा रहा है जिसमें से 4 विवर निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। उक्त सभी चेक डैम एवं वियर के बन जाने से आस पास के लगभग 60 से 65 गांव के लोगों को इसका फायदा मिलेगा साथ ही सैकड़ों की संख्या में किसान इससे लाभान्वित होंगे। साथ ही क्षेत्र के जल संग्रह-सह-सिंचाई क्षमता में भी वृद्धि होगी। चेक डैम के निर्माण से भू-गर्भीय जलस्तर में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त चेक डैमों में किसानों द्वारा मछली पालन भी किया जा सकता है, जिससे वे अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। इन सभी पहलुओं को समझते हुए उपायुक्त के निर्देश पर चेक डैम एवं वियर निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की बैठक सम्पन्न

नव प्रदेश चतरा। समाहणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक में आपूर्ति कार्यालय द्वारा क्रियान्वित विभिन्न कार्य यथा राशन कार्ड वितरण, ठन्डअ वितरण,खरखर, मुख्यमंत्री दाल भात योजना समेत अन्य योजनाओं और उनके अद्यतन स्थिति पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी सलामन जफर खिजरी ने ठन्डअ (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम) के तहत जिले में किये गए खाद्य वितरण की जानकारी दी तथा बताया कि इस संदर्भ में मई 2023 के प्राप्त आकड़े अनुसार चतरा राज्य स्तर पर पांचवें स्थान पर है तथा जून 2023 के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार चतरा राज्य स्तर पर तीसरे स्थान में है। उपायुक्त ने चतरा, सिमरिया, म्यूरहण्ड, लावालोंग और टंडवा समेत अन्य प्रखंड जिनके द्वारा लक्ष्य के अनुरूप काम न कर पाने पर नाज़गणी जाताते हुए खाद्य वितरण के कार्यों में सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया। खरखर (झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा अधिनियम) के तहत प्रखंडवार किये गये कार्यों की जानकारी दी गई जिसमें प्रतापपुर, इटखोरी और टंडवा में उपेक्षा अनुरूप कार्य न होने पर उपायुक्त ने रोग जाहिर करते हुए सभी असंतोषजनक काम करने वाले प्रखण्ड विशेषकर म्यूरहण्ड को सख्त निर्देश दिया कि यथाशीघ्र आवश्यक कदम उठाते हुए सभी कार्यों में सुधार लाया जाए। धोती/साड़ी/एणी वितरण के तहत किये कार्यों की प्रखंडवार जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि उक्त कार्य मे लापरवाही के खिलाफ नियमानुसार सख्त कारवाई की जाएगी। उन्होंने म्यूरहण्ड समेत सभी अन्य प्रखण्ड जिनका कार्य असंतोषजनक है उनको कार्य मे जल्द सुधार लाने का निर्देश दिया। दाल भात योजना अंतर्गत उपायुक्त ने उक्त योजना के उन्नयन पर चर्चा कर निर्देश दिया कि बैठने एवं खाने की व्यवस्था हेतु टेबल/कुर्सी और बर्तन का आकलन तैयार कर प्रस्ताव तैयार किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि उक्त योजना के तहत हर दाल भात केंद्रों में खाना बनाने हेतु गैस सिलिंडर का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए तथा हर केंद्रों के रख रखाव और रंग रोगन कार्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में धान के लिए सक्रिय गोदामों के अभाव की जानकारी मिलने पर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले में जितने भी जीपी शीर्ण गोदाम हैं उनको तत्काल दुस्स्त करवाया जाए तथा जितने भी गोदाम का उद्घाटन करवाया जा चुका है उन्हें तत्काल क्रियाशील अवस्था मे रखा जाए। बंद पड़े गोदामों के बारे में उन्होंने कहा कि नियमानुसार सारी प्रक्रिया पूर्ण कर उनको खुलवाया जाए तथा साफ सफाई के उपरांत खाद्य सुरक्षा मानकों के अंतर्गत उन्हें स्वीकृत कर उन्हें तुरंत क्रियाशील किया जाए।

जिला स्तरीय खरीफ सह मिलेट्स कर्मशाला 2023 का आयोजन

अंतराष्ट्रीय मिलेट अंतर्गत मोटे अनाजों को महत्ता के विषय में दी गई जानकारी

जिले में धान की खेती की तुलना में रागी की खेती को अधिक सफलता मिली, जिले में आगे भी मिलेट के उत्पादन को दिया जाएगा बढ़ावा : उपायुक्त

नव प्रदेश गुमला । आज गुरुवार को जिला स्तरीय खरीफ सह मिलेट्स कर्मशाला 2023 का आयोजन नार भवन गुमला में प्रखंड कृषि पदाधिकारी , एटीएम, बीटीएम एवं जनसेवकों के बीच किया गया ’ जिसमें कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से जुड़ी जानकारी को साझा किया गया साथ ही अंतराष्ट्रीय मिलट्स 2023 के मद्देनजर मोटे अनाज के महत्ता के



बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपायुक्त सुशांत गौरव की उपस्थिति रही जिसका शुभारंभ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसके पश्चात

जिला कृषि पदाधिकारी ने आयोजित कार्यक्रम के विषय में जानकारी दी।उपायुक्त सुशांत गौरव ने इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि विभाग की टीम

सिनेमैटिक वेडिंग वीडियो कार्यशाला का आयोजन संपन्न

नव प्रदेश धनबाद । धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफर्स ट्रेड एसोसिएशन के प्रयास से धनबाद में पहली बार सिनेमैटिक वेडिंग वीडियो वर्कशॉप का आयोजन कैनन एवं कैनन डीलर बालाजी फोटो विजन, धनबाद के द्वारा पाकॅलैन रिसोर्ट, गोविंदपुर रोड, धनबाद में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में आए मॅटर अनिंदो बासु एवं मोहम्मद नूर आलम को धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफर्स ट्रेड एसोसिएशन के सचिव मनीष शाह ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही कार्यक्रम प्रारंभ भी हुआ। सिनेमैटिक वेडिंग वीडियोग्राफी कार्यशाला में कनर टोन, रेजुलेशन, एक्सपोजर, प्रेंमिंग के विषयों में वीडियोग्राफर को जानकारी दी गई। इसके साथ-साथ आप कैसे अच्छे



सिनेमैटिक वीडियोग्राफी कर अपने बिजनेस को आगे ले जाएँ इसके बारे में सभी को जानकारी दी गई। इस वर्कशॉप से आप कैसे अच्छे वीडियो शूट कर सकते हैं इसकी तकनीकी से रूबरू कराया गया । आप हमारे मॅटर ने सभी वीडियोग्राफर्स को थ्योरील एवं प्रॅक्टिकल रूप से जानकारी दी गई

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफर्स ट्रेड एसोसिएशन के पदाधिकारी अध्यक्ष सुनील सिंह, धनबाद रबेश कुमार, सुभाष सरावगी, सचिव मनीष शाह, प्रकाश कुमार, संजय कुमार, गुड्डू गुप्ता, साजिद खान, रंजीत जायसवाल, सुबोध महान, मंतीष लाल एवं सुरज रवानी उपस्थित थे।

खोरठा भाषा को संरक्षित करने में लगे है विनय तिवारी : खोरठा गीतकार

वनय तिवारी खोरठा विकास एवं शोध केंद्र द्वारा भित्तिचित्र के माध्यम से खोरठा भाषा संरक्षण का अनूठा प्रयास

नव प्रदेश धनबाद । आज पुरा देश आजादी के अमृत महोत्सव पर जनजातीय गौरव दिवस मनाने में जुटा है। वहीं दूसरी ओर,धनबाद जिला के रोवाम गाँव के निवासी झारखंड सरकार से सम्मानित कवि,साहित्यकार निदेशक एवं खोरठा गीतकर विनय तिवारी खोरठा भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए भित्तिचित्र के माध्यम से इसे निरंतरता दे रहे हैं। ताकि वर्तमान पीढ़ी के साथ- साथ हमारा भविष्य भी भाषा एवं संस्कृति से मजबूती से जुड़ा रहे। खोरठा भाषा सीखें एवं विलुप्त होते खोरठा के शब्दों को बचाएँ। इस थीम के साथ चित्रात्मक पाठशाला सजघजकर तैयार हो रही है। भित्तिचित्र पाठशाला के माध्यम से खोरठा समुदाय की विलुप्त हो रही भाषा को संरक्षित करने का अनूठा कार्यक्रम विनय तिवारी खोरठा विकास एवं शोध केंद्ररोवाम धनबाद द्वारा चलाया जा रहा हैक खोरठा गीतकार विनय तिवारी का उद्देश्य झारखंड की विशिष्ट कला संस्कृति को समृद्ध बनाना, ग्रामीणों को सामाजिक, आर्थिक,शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक रुप से सशक्त बनाना है। खोरठा पाठशाला के सफल संचालन में विनय तिवारी खोरठा विकास एवं शोध केंद्र संस्था के संरक्षक कृष्ण कुमार तिवारी, उत्तम मुखर्जी, अभिनेता अमन राठौर, कोषाध्यक्ष राजीव तिवारी, लोकगायक घनश्याम

महतो, ध्रुव चौबे, खोरठा फिल्म्स के प्रियतम कुमार पप्पु, समीर मंडल, राजरंजन तिवारी, रुद्रप्रताप तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। दीवारों पर सुंदर चित्रों को उकेरने का कार्य सुप्रसिद्ध चित्रकार दिनेश दास एवं उनके सहयोगी उमेश रविदास द्वारा की गई है। यह भित्तिचित्र देश-विदेश में चर्चित खोरठा लेखक ,कवि निदेशक खोरठा गीतकार विनय तिवारी की रचना और संकलन पर आधारित है। विनय तिवारी नें बताया कि भित्तिचित्र बनाने के उद्देश्य समाज के बच्चों को सुंदर चित्रों के माध्यम से नि:शुल्क खेल-खेल में खोरठा भाषा का ज्ञान देना है एवं उनकी संस्कृति को बचाना है क सामान्य बोल-चाल की भाषा में प्रयुक्त होने वाली शब्दों की चित्रमय प्रस्तुति के साथ हिंदी ,अंग्रेजी एवं खोरठा भाषा में रूपांतरण भी किया गया है। नई पीढ़ी को खोरठा भाषा की जानकारी कम होते जा रही है।विनय तिवारी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आज लोग घरों में बोलचाल की भाषा खोरठा के जगह हिंदी में कर रहे है। यही स्थिति रही तो खोरठा भाषा तेजी से

लुप्त हो जाएगी। यूनेस्को द्वारा भी क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषा को गंभीर खतरे की भाषा में शामिल किया गया है। अतः भित्तिचित्र के माध्यम से खोरठा भाषा का संरक्षण आसानी से किया जा सकता है।खोरठा गीतकार विनय तिवारी ने कहा कि भाषा केवल औपचार्यिक का माध्यम भर नहीं है। यह समाज की अस्मिता, निर्माण, विकास तथा सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार , विश्व में बोली जाने वाली कुल भाषाओं की संख्या लगभग 6900 है।इनमें से 90 फीसदी भाषाएँ बोलने वालों की संख्या एक लाख से कम है । यूनेस्को के अनुसार पिछली सदी में लगभग 600 भाषाएँ लुप्त हो गईं और हर दो सप्ताह में एक भाषा की दर से यह लुप्त होती जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि यदि यह गति रही तो सदी के अंत से पहले दुनिया की 90 प्रतिशत भाषाओं के गायब होने की संभावना है । भाषाई संकट ए ऐसे कठिन दौर में किसी भी भाषा की संपन्नता के लिए उठाया गया कोई भी कदम बहुत महत्वपूर्ण है।



करने का आदेश राज्य के सचिवालय कर्मियों के समान यथाशीघ्र किया जाए । प्रधानाध्यपक समेत सभी ग्रेडों में प्रोन्नति का मामला राज्य में वर्षों से शिक्षकों को प्रोन्नति लाँडित रहने के कारण आज राज्य के सभी विद्यालय प्रधानाध्यपक विहीन हो चुके हैं जिसका प्रतिकूल प्रभाव शिक्षा के गुणवत्ता पर पड़ रहा है । विदित है कि झारखंड प्राथमिक शिक्षक

नियुक्ति नियमावली 2012 से पूर्व कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक के लिए प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति की गई है जिन्हें बिहार राज्य शिक्षक नियुक्ति एवं स्थानांतरण नियमावली 1993 के अनुरूप वाछिष्ट योग्यता वाले सभी शिक्षकों को ग्रेड 4 अर्थात स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक के पद पर प्रोन्नत करते हुए प्रधानाध्यपक के पदों पर प्रोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया जाए ।

कांग्रेसियों ने कृषि मंत्री को समस्याओं का निदान करने का किया आग्रह



नव प्रदेश धनबाद । गुरुवार को धनबाद परिसदन में झारखंड के कृषि एवं मत्स्य मंत्री बादल पत्रलेख को झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के चेयरमैन ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह धनबाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह मदन महतो रामगोपाल भुवानिया नवनीत नीरज इरफान खान चौधरी विनोद यादव एवं दर्जनों कांग्रेसियों ने धनबाद जिला में किसानों को अभिलंब अच्छा बीज सरकार के द्वारा उपलब्ध कराने की मांग की है क्योंकि खेती का दिन शुरू हो गया है और किसानों के पास अभी तक बीज नहीं पहुंच पाया है।

भाजपा के व्यापारियों की याद आई : प्रभात सुरोलिया



नव प्रदेश धनबाद । चुनाव नजदीक देख भाजपा को व्यापारियों की याद आई और चले आज व्यापारी सम्मेलन करने, हमने बिना किसी चुनावी साल के पिछले साल ही व्यापारियों का सम्मेलन किया बिना किसी स्वार्थ के उनकी समस्या जानने का प्रयास किया एक बड़ी समस्या उस वक्त सामने आई वो थी सिल हो रहे जनता मार्केट की। जनप्रतिनिधियों के दर पर जा जा कर दुकान्दा थक गए थे पर इन का जनप्रतिनिधियों के मुंह ने जुबान नहीं थी की मार्केट को बंद होने से रुकवाये। हमने सेकड़ों व्यापारीओं के चेहरे पर मुशकान देने का काम किया हमारे तत्कालिन सांसद दर्दई दुबे जी ने टेक्टाइल मार्केट सिटी स्टाइल खुलवाया था। आज व्यापारी परेशान है रंगदारी से ये क्यों नहीं गृह मंत्री अमित शाह को बोल कर की इंटरपोल से कहै लुक डूब४३ नोटिस जारी करे। आज व्यापारी परेशान है श्रद्धा की पेचीदगी से पर कोई सुनने वाला नहीं, आज धनबाद को,१९खड्ड१३ नहीं मिला सीधी ट्रेन नहीं है कई शहरों की जिससे यहाँ का व्यापार फल फूल नहीं रहा है व्यापारी दुखी है पर ये लोग कोई समस्या का समाधान नहीं करेगे , इन्होंने धनबाद के विकाश को रोकने का काम किया धनबाद की रेलवे की साउथ साइड की सड़क को रोकने का प्रयास किया हमने इसे बाँवने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी आज हर आदमी इस सड़क के बन जाने से खुश है ।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक



लोहरदगा । उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में उद्योग महाप्रबंधक, लोहरदगा ने बताया कि जिले को इस वित्तीय वर्ष में कुल लक्ष्य 186 लाभुकों को लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि विभिन्न बैंक शाखा में ऑनलाईन अग्रसारित किये गए आवेदन पत्रों की संख्या 75 है। बैंकों द्वारा ऑनलाईन ऋण स्वीकृत किये गए लाभुकों की संख्या 15 है। बैंकों द्वारा वापस किये आवेदन पत्रों की संख्या 11 है और बैंक शाखाओं में लॉबित आवेदन पत्रों की संख्या 50 है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करें।

कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए सात खिलाड़ी थाइलैंड रवाना



लोहरदगा । थाईलैण्ड में 25-27 जून 2023 तक आयोजित होनेवाले इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप-2023 में भाग लेने के लिए लोहरदगा जिला के चर्चनित सात कराटे खिलाड़ियों को गुरुवार को उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। उपायुक्त ने इस मौके पर सभी खिलाड़ियों और कोच से मुलाकात की और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्द्धा में चर्चनित होने की बधाई देने के साथ-साथ प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने की कामना की।

सैफ चैंपियनशिप : छेत्री की हैट्रिक से भारत ने पहले ही मैच में पाक को 4-0 से हराया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कप्तान सुनील छेत्री की हैट्रिक से भारत ने सैफ चैंपियनशिप के पहले ही मैच में पाकिस्तान को 4-0 से हरा दिया। भारत की ओर से छेत्री ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला गोल 10वें मिनट में जबकि दूसरा गोल 16वें मिनट में कर किया। पहले हाफ के बाद दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम का आक्रामक रुख जारी रहा। 74वें ओवर में छेत्री ने एक गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी करने के साथ ही भारत की ओर से तीसरा गोल दागा। इस गोल के साथ ही छेत्री के अंतरराष्ट्रीय खेल पहचान के 90 गोल भी हो गए। इसी के साथ ही अब वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले चौथे भारतीय

खिलाड़ी बने हैं। वहीं मैच का चौथा गोल उदांत सिंह कुमम ने 81वें मिनट में कर भारत को 4-0 से जीत दिला दी। वहीं इससे पहले पाक टीम टिकटों की अनुपलब्धता के कारण मैच से पहले दो दो अलग-अलग समूहों में भारत पहुंची क्योंकि एक ही उड़ान में उसे टिकट नहीं मिल पाये थे। दूसरा दल मैच से छह घंटे पहले ही पहुंचा था। इसके बाद भी मैच समय पर हुआ। खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ सहित पाकिस्तान दल के 32 सदस्यों को एक ही विमान में सीटें नहीं मिली और वे दो समूह में पहुंचे। पाकिस्तान टीम को इस दौर में शीर्ष स्तर की सुरक्षा मिली हुई है।

टीम बस की सुरक्षा के लिए एक वाहन साथ रखा गया है, टीम होटल और आयोजन स्थल पर पुलिसकर्मियों को कई परत में तैनात करने के साथ एक विशेष सुरक्षा विशेषज्ञ भी भेजा गया है।

भारत के बाद अब उसे दूसरे मुकाबले में 24 जून को कुवैत और 27 जून को नेपाल से खेलना है। सितंबर 2018 के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच पहली बार फुटबॉल मैच खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पाक को 4-0 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की है। वहीं पिछले मुकाबले में भी भारत ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 3-1 से हराया था।



दिग्गजों को लुभाने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का वेतन बढ़ाएगा बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब दिग्गज क्रिकेटर्स को चयनसमिति में लाना चाहता है। इसके लिए चयनकर्ताओं का वेतन भी बढ़ाया जा सकता है जिससे कि बड़े खिलाड़ी भी चयन समिति में आने को उत्सुक हों। चयनसमिति में कम वेतन और कई पाबंदियों को देखते हुए बड़े नाम इस ओर नहीं आ रहे जिससे खिलाड़ियों का चयन भी मुश्किल हो रहा है। कम अनुभवों खिलाड़ी जब चयन करते हैं तो कई बार गलतियां हो जाती हैं। जानकारों का मानना कम वेतन के कारण चयनसमिति की जगह दिग्गज खिलाड़ी कोला या अन्य काम बेहतर समझते हैं। यही कारण है कि उत्तर क्षेत्र से चेतन शर्मा की जगह बीसीसीआई को तब तक कोई बड़ा नाम नहीं मिला है। पूर्व सलामी बल्लेबाज शिवसुंदर चेतन की जगह अध्यक्ष बनाया गया जबकि एस शरत (दक्षिण), सुब्रतो बर्जाँ (मध्य) और सलिल अक्तेला (पश्चिम) चयन समिति में हैं। सनियर

चयन समिति के अध्यक्ष को एक करोड़ रुपये सालाना वेतन मिलता है जबकि चार अन्य सदस्यों को 90 लाख रुपये सालाना दिये जाते हैं। बड़े क्रिकेटर्स की बात करें तो केवल दिलीप वेंगसरकर (2006 से 2008) और कृष्णामाचारी श्रीकांत (2008 से 2012) ने ही यह जिम्मेदारी संभाली थी। वेंगसरकर का काम अवैतनिक था जबकि श्रीकांत के चयनकर्ता बनने के बाद से बीसीसीआई ने वेतन देना शुरू ही किया था। इसके अलावा मोहिंदर अमरनाथ भी चयन समिति में थे और संदीप पाटिल भी इसके अध्यक्ष रहे। इस समय उत्तर क्षेत्र से चयन समिति में शामिल किये जाने के लिये एक ही बड़ा नाम उभरता है और वह है वीरेंद्र सहवाग। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया, ‘‘ प्रशासकों की समिति के कार्यकाल के दौरान सहवाग को मुख्य कोच के पद के लिये आवेदन करने के लिये कहा गया पर बाद में अनिल कुंबले को कोच बनाया गया। ऐसे में अब उन्हें नहीं लगता कि वह

एशिया कप के ‘हाइब्रिड मॉडल को पीसीबी अध्यक्ष बनने जा रहे अशरफ ने ठुकराया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अगले अध्यक्ष बनने जा रहे जकी अशरफ ने एशिया कप के लिए बने ‘हाइब्रिड मॉडल को मानने से इंकार कर दिया है। अशरफ ने कहा कि उन्होंने पहले ही इस मॉडल को खारिज कर दिया था। पूर्व पीसीबी अध्यक्ष नजम सेटी ने ‘हाइब्रिड मॉडल को पेश किया था जिससे भारत और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने भी स्वीकार कर लिया था। इसमें सितंबर में पाक की मेजबानी में होने वाले एशिया कप के भारत के मैच श्रीलंका में रखे गये थे। अशरफ ने कहा, ‘पहली बात तो यह है कि मैं पहले ही एशिया कप के हाइब्रिड मॉडल को ठुकरा चुका हूं क्योंकि मैं इससे सहमत नहीं हूं। जब एसीसी के बोर्ड ने फैसला किया था कि यह टूर्नामेंट पाक में होगा तो सभी मैच यहीं होने चाहिए।

अशरफ के इस बयान के बाद अब भारत की एशिया कप में भागीदारी के साथ ही इस साल के अंत



में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में पाक के भाग लेने पर भी खतरा पैदा हो गया है। यह भी कहा जा रहा है कि पीसीबी के अडिथल रुख को देखते हुए अब बीसीसीआई भी इसमें कड़ा रुख अपना सकता है। इससे पहले एसीसी के कार्यकारी बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दी है। यह भी संभव है कि अशरफ अगर अपना रुख नहीं बदलते हैं तो एशिया कप की मेजबानी से पाक को बाहर भी किया जा सकता है। वहीं एसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, ‘एशिया कप मॉडल को एसीसी ने स्वीकार

किया है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। अशरफ जो चाहे, वह कहने के लिए स्वतंत्र है। हाइब्रिड मॉडल को बीसीसीआई सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली एसीसी ने स्वीकार किया था। भारतीय बोर्ड पहले ही कह दिया था कि वह अपनी टीम पाक नहीं भेजेगा।

सेटी के अध्यक्ष पद से हटते ही पीसीबी का रुख बदल गया है। अशरफ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह नहीं चाहते कि बेमानी मैच पाकिस्तान में कराए जाएं। उन्होंने कहा, ‘सभी मुख्य मैच पाकिस्तान से बाहर होंगे। नेपाल और भूटान जैसी टीमों पाकिस्तान में खेलेंगी जो फायदेमंद नहीं है। साथ ही कहा कि बोर्ड ने पहले किस आधार पर मंजूरी दी थे मुझे समझ नहीं आया है। मैं देखता हूँ कि इतने कम समय में क्या हो सकता है। हम वही करेंगे जो पाकिस्तान के लिए बेहतर हो।

विश्वनाथन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन ने टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल में खेलने को लेकर कहा कि इसका फैसला स्वयं धोनी करेंगे। धोनी अभी घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं। विश्वनाथन ने हाल ही में धोनी से मुलाकात की थी और उनकी सैहत को लेकर बातें की थीं। धोनी अब सर्जरी के कारण फरवरी तक मैदान में नजर नहीं आएंगे। विश्वनाथन ने कहा, धोनी को अच्छे से पता है कि आगे उन्हें क्या करना है। अगर उन्हें आईपीएल से संन्यास लेना होगा। तो वो सीधे ही टीम मालिक पर श्रीनिवासन को इसकी जानकारी देंगे। साल 2008 की शुरुआत से ही वह सीधे सीएसके प्रबंधन से बात करते हैं। यही आगे भी चलता रहेगा। विश्वनाथन ने साथ ही कहा कि धोनी पहले मैच से ही घुटने का दर्द झेल रहे थे पर किसी को शिकायत कर बिना वह टीम के लिए खेलते रहे। उन्होंने अपनी घुटने की तकलीफ को लेकर कभी किसी तरह की शिकायत नहीं की जबकि सभी का पता था कि वह ठीक से दौड़ भी नहीं पा रहे थे। फाइनल जीतने के बाद ही उन्होंने कहा था अब मैं घुटने की सर्जरी कराऊंगा।

श्रीलंका दौरे के लिए आबिद सहित तीन क्रिकेटर्स को शामिल नहीं करने पर भड़के अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने अगले माह होने वाले श्रीलंका दौरे के लिए आबिद अली, जाहिद महमूद और उस्मान सलाहुद्दीन जैसे खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने के लिए चयनकर्ताओं की आलोचना की है। अफरीदी ने कहा कि घरेलू सर्किट में प्रतिभा और योगदान के बाद भी इन खिलाड़ियों की उपेक्षा की गयी है। अफरीदी ने कहा, हमने एक टेस्ट खिलाड़ी तैयार किया। वो बीमार पड़ गया, इलाज हुआ, और फिर ठीक हो गया। मैं आबिद अली के बारे में बात कर रहा हूं। अब वो आदमी कहाँ है? मुझे समझ नहीं आ रहा है और उसके अलावा, आपने दो बाएं हाथ के स्पिनरों को टीम में रखा। टीम में जाहिद महमूद नाम का एक लेग स्पिनर था, वह कहाँ है? उन्होंने साथ ही कहा, टीम के अन्य सभी खिलाड़ी ठीक हैं पर हमारे खिलाड़ी चोटों के कारण कुछ समय के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं, और फिर उन्हें टीम में वापसी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मेरा मानना है कि उस्मान पहले पाकिस्तान के लिए खेल चुके हैं और उन्होंने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। कहाँ है वह? मेरा मतलब है, आप पूरी तरह से नए खिलाड़ियों को ही अवसर मौके देते हैं। आप उन खिलाड़ियों को अवसर नहीं देते जिनमें आपने खर्च किया है। ऐसा लगता है कि उन की जानबूझकर अनदेखी हो रही है। आबिद ने 16 टेस्ट मैच खेले हैं और 49.16 की औसत से 1180 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक और चार शतक शामिल हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच 2021 में बांग्लादेश के खिलाफ था। हालांकि उस्मान ने केवल एक टेस्ट मैच खेला है, लेकिन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 139 प्रथम श्रेणी मैचों में भाग लिया और 48.96 की औसत से 53 अर्धशतक और 28 शतक सहित 9254 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 219 रन है।

आईओसी ने आईओए से सीईओ जल्द नियुक्त करने के लिये कहा, कुश्ती के मसले का भी जल्दी निकाले हल

मुम्बई (एजेंसी)। लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने भारतीय ओलंपिक संघ के सीईओ या महासंघों की नियुक्ति में देरी पर चिंता जताई है। इसके साथ ही देश में कुश्ती महासंघ के मसले को यूडब्ल्यूडब्ल्यू से मिलकर जल्दी सुलझाने का अनुरोध भी किया है। आईओसी ने बुधवार को कार्यकारी बोर्ड की बैठक में कड़ा बयान जारी किया। इस बैठक में उसे भारत के अलावा अफगानिस्तान, ग्वाटेमाला और सुडान की राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों की स्थिति से अवगत कराया गया। आईओसी ने बयान में कहा, ‘‘ भारत की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को कई बार नये सीईओ या महासचिव की नियुक्ति के लिये कहा गया ताकि स्थिति सामान्य हो। लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। आईओसी हालात पर

नजर रखे हुए है।’’ आईओसी ने अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ मिलकर देश के खेल महासंघों को प्रभावित करने वाले मसलों से निपटने के लिये कहा है। पिछले दो महीने में भारतीय कुश्ती चर्चा में रही है जब ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक समेत शीर्ष भारतीय पहलवान डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बुजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। आईओसी ने कहा, ‘‘ भारत की एनओसी से अनुरोध है कि अंतरराष्ट्रीय महासंघों से मिलकर देश के खेल महासंघों को प्रभावित करने वाले मसलों का अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों और निर्देशों के अनुरूप हल निकाले। खासकर भारतीय कुश्ती महासंघ से जुड़े

मसले का।’’ आईओसी ने इस साल मार्च में कहा था कि आईओए को बिना किसी विलंब के सीईओ की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही आईओसी 2023 सत्र मुंबई में कराने का भी ऐलान किया था। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति द्वारा बनाये गए नये संविधान के अनुसार आईओए को पी टी उमा की अगुवाई में नये पदाधिकारियों के पद संभालने के एक महीने के भीतर सीईओ की नियुक्ति करनी थी जो महासचिव का काम करेगा। आईओए की नयी परिषद ने दिसंबर में कार्यभार संभाल लिया लेकिन सात महीने में सीईओ की नियुक्ति नहीं की गई। आईओए महासचिव कल्याण चौबे सीईओ का काम कर रहे हैं। सीईओ आईओए की कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा जिसे मताधिकार नहीं होगा।



संजय मांजरेकर की भारतीय चयनकर्ताओं को सलाह, टेस्ट क्रिकेट के लिए ऐसे खिलाड़ियों को ढूँढे

बेंगलुरु (एजेंसी)। जून की शुरुआत में लंदन के ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023 के फाइनल में भारत की अपमानजनक हार के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने चयनकर्ताओं को एक सुझाव दिया है। सभी महत्वपूर्ण टेस्ट मैच में हार ने भारतीय टीम को आईसीसी नॉकआउट मैचों में उनके निराशाजनक प्रदर्शन के लिए भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से अजिंक्य रहाणे और शार्दुल ठाकुर के अलावा किसी भी भारतीय बल्लेबाज ने एकमात्र टेस्ट की एक पारी में पचास से अधिक रन नहीं बनाए।

मांजरेकर ने इस बात पर जोर दिया कि स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड, जो शायद ही कभी सीमित ओवरों का क्रिकेट खेलते हैं, डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार खिलाड़ी थे। पूर्व क्रिकेटर ने टीम इंडिया से ऐसे खिलाड़ियों की तलाश करने का आग्रह किया जो टी20

प्रारूप से खेल के सबसे लंबे प्रारूप में बदलाव से थके नहीं होंगे। मांजरेकर ने कहा, ‘डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए गेम चेंजर स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड, बहुत अधिक टी20 क्रिकेट नहीं खेलते हैं। इसलिए हमें ऐसे खिलाड़ियों को ढूँढना होगा जो थके हुए न हों या जिन्हें आईपीएल से टेस्ट क्रिकेट में समायोजन न करना पड़े।’

57 वर्षीय ने आगे कहा कि चयनकर्ताओं को उन खिलाड़ियों को पुरस्कृत करना शुरू करना होगा जो खोलू क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं और विदेशी परिस्थितियों में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ‘अब समय आ गया है कि हम उन लोगों को पुरस्कृत करना शुरू करें जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। चयनकर्ता उन खिलाड़ियों पर विचार कर सकते हैं जिनमें भविष्य के टेस्ट खिलाड़ी बनने और विदेशी परिस्थितियों में सफल होने की क्षमता है। मैं कम से कम तीन नए बल्लेबाजों और नए तेज गेंदबाजों को खेलते हुए देखना चाहूंगा।’



भारत का आगामी अंतरराष्ट्रीय दौरा जुलाई-अगस्त में वेस्टइंडीज दौरा होगा जिसके दौरान वे दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेंगे। दो मैचों की टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 2023-25 में उनका पहला असाइनमेंट होगा। रोहित शर्मा एंड कंपनी के 1 जुलाई तक वेस्टइंडीज पहुंचने की उम्मीद है।

डायमंड लीग के लुसाने चरण में खेलेंगे नीरज चोपड़ा, लंबी कूद में जेस्विन एल्ट्रिन और श्रीशंकर लेंगे भाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक चैंपियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मांसपेशी के खिंचाव से उबरने के बाद 30 जून को डायमंड लीग के लुसाने चरण में भाग लेंगे। आयोजकों ने इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी की है जिसमें चोपड़ा का भी नाम शामिल है। उनके अलावा भारत के जेस्विन एल्ट्रिन और श्रीशंकर लंबी कूद में भाग लेंगे। टूर्नामेंट की

आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा है ‘‘ भालाफेंक में भारत के ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को चेक गणराज्य के याकूब वालेच और जर्मनी के जूलियन वेबर चुनौती देंगे।’’ चोपड़ा ने मांसपेशी में खिंचाव के कारण एफबीके खेल (नीदरलैंड में चार जून) और फिनलैंड में 13 जून को पावो न्यूमी खेलों से नाम वापस ले लिया था।



कोविड टीके के कारण हुई थी वॉर्न की मौत



–विशेषज्ञों का दावा , दिल की बिमारियां बढ़ाता है कोरोना का टीका

सिडनी (एजेंसी)। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वॉर्न की मौत के मामले में एक अहम खुलासा हुआ है। वॉर्न की मार्च 2022 में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी थी। अब उनकी मौत की वजह को लेकर आई एक रिपोर्ट से सभी हैरान हैं। इसमें कहा गया है कि वॉर्न की मौत कोरोना टीके कारण हुई थी। वॉर्न गत वर्ष मार्च में छुट्टियां मनाने के लिए थाईलैंड गए हुए थे और वहीं होटल में उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। इसी को लेकर अब विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि वॉर्न ने कोरोना से बचने के लिए जो टीक लगवाया था उससे दिल से संबंधित रोग बढ़ता है। वॉर्न की मौत भी दिल का दौरा पड़ने की वजह से ही हुई थी।

वॉर्न ने दौरे के 9 महीने पहले कोरोना टीका लगवाया उन्होंने संक्रमण से बचने के लिए कोविड एमआरएनए टीका लगवाया था। एक रिपोर्ट के अनुसार यह ऐसा टीका है जिससे दिल से संबंधित रोग बढ़ते हैं। ऑस्ट्रेलियाई डॉक्टर और ब्रिटेन के कार्डियोलॉजिस्ट (दिल की बीमारियों के विशेषज्ञों) का मानना है कि इस क्रिकेटर की मौत का कारण कोरोना टीकाकरण हो सकता है। इस बारे में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ क्रिस् नील और डॉ असीम मल्होत्रा का मानना है कि जो कोरोना टीका वॉर्न ने लगवाया था उससे दिल की बीमारियां तेजी से फैलने का खतरा बढ़ता था। गौरतलब है कि वॉर्न ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 145 टेस्ट और 194 एकदिवसीय मैच में 708 और 293 विकेट लिए थे। उनकी अचानक हुई मौत से खेल जगत हैरान हो गया था। तभी से उनकी मौत के कारणों की जांच चल रही थी।

विश्वकप के लिए पाक के सभी मैच स्थलों पर फैसला बीसीसीआई ही करेगा

मुम्बई। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए पाकिस्तान टीम के सभी मुकाबलों को तय करने का अधिकार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को दे दिया है। यह पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए एक कारारा झटका बताया जा रहा है। इससे पहले पीसीबी ने भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के कुछ स्थलों पर आपत्ति जताते हुए उन्हें बदलने को कहा था। वहीं आईसीसी ने मैच के जगहों को बदलने से साफ मना कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में आईसीसी और मेजेबान बीसीसीआई की एक बैठक भी हुई थी। इसमें पाक द्वारा अहमदाबाद, चेन्नई और बैंगलोर के मैचों को कहीं और आयोजित कराने की अपील की थी। वहीं आईसीसी ने अपने फैसले की आधिकारिक तौर पर जानकारी पीसीबी को भी दे दी है। आईसीसी और बीसीसीआई ने मैच की जगह में बदलाव के मामले में कहा कि जब तक पित्त या जगह को लेकर कोई परेशानी ना हो ऐसा नहीं किया जा सकता। साथ ही कहा कि मैच के आयोजन स्थल की सुरक्षा को लेकर कोई चिंता की बात हो तो इसमें बदलाव किया जा सकता है। अभी इन सब में से कोई भी कारण नहीं दिख रहा है। इसलिए बदलाव की मांग को खारिज कर दिया गया है।

अगले महीने जर्मनी और नीदरलैंड जाएगी भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर मोहित शशिकुमार का कहना है कि अब भारतीय टीम दिसंबर में मलेशिया में होने वाले जूनियर विश्व कप के लिए तैयारियों में लगी है। भारतीय टीम ने हाल ही में एशिया कप जीता है जिससे टीम के हौंसले बुलंद हो गये हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। भारत की जूनियर टीम अगले महीने जर्मनी और नीदरलैंड का दौरा करेगी और मोहित ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए यूरोप की ताकतवार टीमों के सामने अपने को आंकने का अच्छा अवसर मौका होगा। इससे विश्वकप में टीम को लाभ होगा। मोहित ने कहा, ‘एशिया कप का खिताब जीतना शानदार अहसास है और अब हम आधिकारिक तौर पर एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बन गये हैं। यह गर्व की अनुभूति है। मुझे भरोसा है कि पूरी दुनिया अब हमारे खेल पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, ‘इससे जूनियर विश्व कप से पहले टीम का मनोबल बढ़ेगा। साथ ही कहा कि अब हम अपने अनुभव को और बढ़ाना चाहते हैं। इसके लिए हमें यूरोपीय टीमों के खिलाफ खेलना होगा। साथ ही कहा कि जूनियर विश्व कप के लिए जल्दी कालीफाई करने से भी भारतीय टीम को टूर्नामेंट के लिए पहले से रणनीति बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, ‘विश्व कप के लिए जल्दी कालीफाई करने से आपको इतने बड़े आयोजन से पहले तैयारी करने के लिए बहुत समय देता है। हमने पहले ही विश्व कप में खेलने के बारे में सोचा था क्योंकि हम जानते थे कि हम एशिया कप से इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए कालीफाई कर सकते हैं। इस युवा गोलकीपर ने कहा, ‘हमें अभी काफी काफी मेहनत करनी होगी और आने वाले दिनों में अपने खेल के शीर्ष पर रहना होगा। विश्व कप से पहले, कुछ और दौरे और टूर्नामेंट हैं। इसलिए, हम एक बार में एक कदम उठाएंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

मेसी अगले माह इंटर मियामी की ओर से पहला मैच खेलेंगे !

मियामी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अगले माह 21 जुलाई को मेक्सिको के क्रूज अंजुल के खिलाफ लीग कप मैच में इंटर मियामी की ओर से डेब्यू कर सकते हैं। मेसी ने कुछ समय पहले ही फ्रांस के पैरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) वलब को छोड़ा है। अमेरिकी मेजर लीग क्लब के सह-मालिक जॉर्ज मास के अनुसार मेसी ने आठ मई को पीएसजी छोड़ने के बाद इंटर मियामी से जुड़ने की बात कही थी। अर्जेंटीना की तीसरी बार फीफा विश्व कप जिताने मेसी का पहला मैच फांट ‘लॉइडरडेल के डीआरवी पीएनके स्टेडियम में खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेसी ने इंटर मियामी के साथ ढाई साल का अनुबंध किया है। वह कथित तौर पर एक वर्ष में पांच से छह करोड़ अमेरिकी डॉलर कमायेंगे। जॉर्ज ने कहा कि मेसी के आने अमेरिका में फुटबॉल को विकास तेजी से होगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम जब भी अमेरिका में खेल के बारे में बात करेंगे तो मेसी के पहले और बाद का दौर अलग-अलग होगा। इससे अमेरिकी लीग तेजी से आगे जाएगी।

टेक महिंद्रा ग्लोबल चैस लीग – आनंद और आनंद में किया शुभारंभ

दुबई। भारतीय शतरंज के साथ साथ अब दुनिया भर की शतरंज का समय आज से बदलने जा रहा है। जिस तरह आईपीएल में क्रिकेट की तस्वीर बदल दी अब वैसी ही कुछ उम्मीद ग्लोबल चैस लीग (जीसीएल) से लीग कर रहे है। भारत की टेक महिंद्रा और विश्व शतरंज संघ संयुक्त रुप से इस टूर्नामेंट का आयोजन दुबई में करने जा रहे है। एक रंगारंग कार्यक्रम मे भारत के पाँच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और भारत के जाने माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने पहली चाल चलकर इस टूर्नामेंट का उदघाटन किया।

ग्लोबल चैस लीग के पहले संस्करण में कुल छह टीमों को शामिल किया गया है जो डबल राउंड रॉबिन आधार पर कुल आपस में दस मुकाबले खेलेंगी और इसके बाद शीर्ष टीम प्ले ऑफ में प्रवेश करेंगी।

प्रतियोगिता में एक अलग तरह का स्कोरिंग सिस्टम रखा गया है जिसमें काले मोहरों से जीतने वाले खिलाड़ी को एक अतिरिक्त अंक मिलेगा।

प्रतियोगिता में आज दो मुकाबले होंगे जिसमें त्रिवेणी कॉन्टिनेन्टल किंग से मुंबा मास्टर्स और विंगारी गल्फ टाइटन्स से गैंग ऑफ ग्रॉफ मास्टर्स का मुकाबला होगा।

इंडिगो-एयरबस समझौता ब्रिटेन के विमानन क्षेत्र के लिए बड़ी जीत: सुनक

लंदन ।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि इंडिगो और एयरबस का समझौता ब्रिटेन के विमानन क्षेत्र के लिए बड़ी जीत है। इससे ब्रिटेन में हजारों नौकरियों के साथ आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो और ब्रिटेन की सबसे बड़ी विमानन विनिर्माता कंपनियों में से एक एयरबस ने 500 ए320विमानों की खरीद



और इससे देश भर में हजारों नौकरियों को समर्थन मिलेगा जो अर्थव्यवस्था को भी बढ़ाने में मदद करेगा। यह विमान खरीद

समझौता इसी सप्ताह पेरिस एयर शो में दोनों कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ था।

नीलामी के बिना छह गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम देने पर होगा घाटा: सीओएआई

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनियों के निकाय सीओएआई ने कहा कि नीलामी के बगैर छह गीगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम आवंटन होने से देश को लगभग तीन लाख करोड़ रुपए तक का नुकसान होने की आशंका है। भारतीय सेल्युलर ऑपरेटर संघ (सीओएआई) ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों को अपने उपभोक्ताओं को 100 मेगाबाइट प्रति सेकंड (एमबीपीएस) डाउनलोड स्पीड और 50 एम्बीबीएस अपलोड स्पीड देने की



जरूरत होती है इसलिए सरकार को 5जी मोबाइल सेवा के लिए छह गीगाहर्ट्ज बैंड में उपलब्ध समूची 1,200 मेगाहर्ट्ज (मेगाहर्ट्ज) फ्रीक्वींसी चिह्नित कर देनी चाहिए। सीओएआई के महानिदेशक एसपी कोचर ने एक कार्यक्रम में दूरसंचार सेवाओं के लिए छह गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम पर चर्चा करते हुए कहा कि अगर हम मिड-बैंड स्पेक्ट्रम के लिए पिछली नीलामी में मिली कीमत को लेते हैं तो यह लगभग

317 करोड़ रुपए प्रति मेगाहर्ट्ज आती है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि कीमत काफी हद तक कम हो लेकिन अगर हम इसे एक संदर्भ बिंदु के रूप में देखें तो

नीलामी के बिना छह गीगाहर्ट्ज में स्पेक्ट्रम दिए जाने पर सरकारी खजाने को होने वाले नुकसान की गणना कोई भी आसानी से कर सकता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही वित्तीय और आईटी व तेल कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से आई है। इसके अलावा अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों से भी भारतीय बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 284.26 अंक करीब 0.45 फीसदी नीचे आकर 63,238.89 पर बंद हुआ जबकि शुरुआती कारोबार में बीएसई

63,601.71 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में उतार-चढ़ाव बना रहा और ये 322.52 अंक करीब 0.50 फीसदी नीचे आकर 63,200.63 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 85.60 अंक टूटकर 18,771.25 अंक पर बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार,अमेरिका के केंद्रीय बैंक के ब्याज दरों को बढ़ाने के संकेतों से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे भी घरेलू बाजार पर दबाव आया है।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, इंफोसिस, नेस्ले,

रिलायंस इंडस्ट्रीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही जबकि लार्सन एंड टुबो, टाटा स्टील, एचडीएफसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं।

इससे पहले आज सुबह दुनिया भर से मिले खराब संकेतों की वजह से गुरुवार के कारोबारी दिन घरेलू बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई है। सुबह सेंसेक्स में 60 अंकों की गिरावट दर्ज हुई और यह 63,463.95 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 50 लगभग 10 अंकों की गिरावट के साथ 18,847 पर कारोबार करता दिखा। प्री-

ओपनिंग में बाजार में हल्की बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स 79.65 अंकों की बढ़त के साथ 63,602.80 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 22.70 अंक बढ़कर 18,879.50 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं एसजीएक्स निफ्टी भी आज सुबह हल्की गिरावट के साथ खुला है। यह 37 अंक गिरकर 18,872 पर कारोबार करता दिखा।

वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में भी



मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान में निक्केई 225 0.22 फीसदी गिर गया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.35 फीसदी ऊपर था, और ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एसएसक्स 200 में 1.2 फीसदी की हानि देखी गई

फिच ने भारत की जीडीपी ग्रोथ बढ़ाई, मंदी का नहीं होगा असर

नई दिल्ली । रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की जीडीपी ग्रोथ को बढ़ा दिया है। फिच ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत के जीडीपी ग्रोथ रेट अनुमान को 6 फीसदी से बढ़ाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। इस तरह से फिच रेटिंग्स ने अपने पहले के अनुमान में 0.3 अंकों की बढ़ोतरी की है। हालां कि इससे पहले फिच ने भारत की वृद्धि दर छह प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। जिसका सीधा मतलब है भारत की अर्थव्यवस्था व्यापक आधार वाली ताकत दिखा रही है। जनवरी-मार्च की तिमाही में वृद्धि दर बेहतर रहने के मद्देनजर रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही थी। वहीं 2021-22 में देश की अर्थव्यवस्था 9.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। इस मामले में रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था व्यापक रूप से मजबूत है। 2023 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में यह सालाना आधार 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। हाल के महीनों में वाहन बिक्री के आंकड़े बेहतर रहे हैं। इसके अलावा पीएमआई सर्वे और ऋण की वृद्धि भी मजबूत रही है। यहां यह बात गौरतलब है कि इससे पहले फिच ने मार्च में ऊंची मुद्रास्फीति और ऊंची ब्याज दरों तथा कमजोर वैश्विक मांग के मद्देनजर 2023-24 के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को 6.2 से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था। पिछ्ने ने कहा कि 2024-25 और 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जनवरी-मार्च की तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर उम्मीद से अधिक रही है। इसके अलावा दो तिमाहियों की गिरावट के बाद विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति भी सुधरी है।



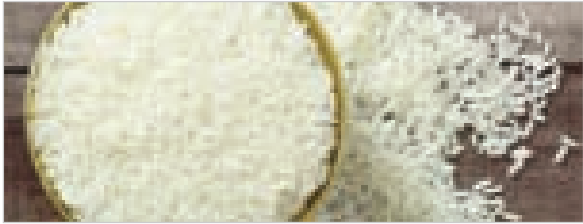
चावल की कीमतों पर लगेगा प्रतिबंध, सरकार ने बढ़ाया स्टॉक

- चावल खरीद चालू विपणन सत्र 2022-23 में अब तक बढ़कर 5.58 करोड़ टन हुई

नई दिल्ली ।

अनाज की कीमत खुले बाजार में महंगा नहीं हो इसके लिए सरकार ने अनाज स्टॉक को बढ़ा लिया है। सरकार की चावल खरीद चालू विपणन सत्र 2022-23 में अब तक बढ़कर 5.58 करोड़ टन पर पहुंच गई है। इसके अलावा सरकार ने 1.22 करोड़ किसानों को 1.7 लाख करोड़ रुपए के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का भुगतान किया है। खाद्य मंत्रालय के मुते बिक रही विपणन वर्ष 2023-24 अप्रैल मार्च में अब तक गेहूं की खरीद 2.62 करोड़ टन रही है, जो पिछले साल की कुल खरीद 1.88 करोड़ टन से कहीं अधिक है।

मंत्रालय ने कहा कि गेहूं और चावल की मौजूदा खरीद से सरकारी भंडार में पर्याप्त खाद्यान्न है। गेहूं और चावल का संयुक्त स्टॉक 5.7 करोड़ टन पर पहुंच गया है, जो देश की खाद्यान्न जरूरतों के लियेज से संतोषजनक है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) राज्य एजेंसियों के साथ मूल्य समर्थन योजना के तहत धान और गेहूं की खरीद करता है। धान की खरीद की जाती है और उसे मिलों में चावल में बदला जाता है। मंत्रालय के अनुसार मौजूदा खरीफ विपणन सत्र अक्टूबर सितंबर में 19 जून तक कुल 8.3 करोड़ टन धान की खरीद की गई थी। मिलों में इसे चावल में बदलने के बाद अब



तक केंद्रीय पूल में लगभग 4.01 करोड़ टन चावल प्राप्त हो चुका है। वहीं डेढ़ करोड़ टन चावल अभी मिलना बाकी है। खरीद कार्यक्रम से 1.22 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं। उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य के रूप में लगभग 1,71,000 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। केंद्र ने 2022-23 के विपणन सत्र में 6.26 करोड़ टन चावल खरीदने का लक्ष्य रखा है। एफसीआई ने

2021-22 के विपणन सत्र में 5.75 करोड़ टन से अधिक चावल खरीदा था। कृषि मंत्रालय के अनुसार चावल उत्पादन 2022-23 फसल वर्ष के लिए रिकॉर्ड 13.55 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जबकि पिछले साल यह 12.94 करोड़ टन था। गेहूं के मामले में 21.29 लाख किसानों को लगभग 55,680 करोड़ रुपए के न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान किया गया है।

ब्रिटेन में खुदरा मुद्रास्फीति की दर अब भी उच्च स्तर पर

लंदन । ब्रिटेन में सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद मुद्रास्फीति की दर अब भी उच्च स्तर पर बनी हुई है जिससे नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बढ़ गई है। हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 8.7 प्रतिशत रही जबकि इसके गिरकर 8.4 प्रतिशत पर आने की संभावना जताई जा रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति सालाना आधार पर मई में 8.7 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही। उड़ानों, मनोरंजन सामग्रियों और सांस्कृतिक उत्पादों एवं सेवाओं की बढ़ती कीमतों से मुद्रास्फीति को बल मिला। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर कोई राहत नहीं मिलने पर बैंक ऑफ़ इंग्लैंड एक बार फिर नीतिगत ब्याज दर बढ़ाने का फैसला कर सकता है। ब्रिटिश केंद्रीय बैंक की गुरुवार को होने वाली बैठक में इस पर फैसला लिया जा सकता है। बैंक ऑफ़ इंग्लैंड पिछले साल रूस-यूक्रेन संकट गहराने के बाद से ही बढ़ी हुई महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दर में बढ़ोतरी कर रहा है। इस दौरान नीतिगत ब्याज दर बढ़कर 4.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है जो इसका 15 वर्षों का उच्च स्तर है।

टीसीएस का ब्रिटेन की नेस्ट से 84 करोड़ पौंड का समझौता हुआ



मुंबई ।

देश की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को ब्रिटेन की कंपनी नेस्ट से पेंशन योजना के लिए सदस्यों को सुविधा देने के लिए 84 करोड़ पौंड का अनुबंध मिला है। टाटा समूह की कंपनी टीसीएस ने कहा कि अगर यह समझौता 18 वर्ष की अधिकतम अवधि तक चलता है तो इसका अधिकतम मूल्य 1.5 अरब पौंड तक जा सकता है। बयान के अनुसार यह करार 10 वर्षों की अवधि के लिए है और दोनों कंपनियों के बीच पहले से चली आ रही साझेदारी का ही विस्तार है। दोनों कंपनियां वर्ष 2011 से ही साथ काम कर रही हैं।

टीसीएस ने कहा कि नए समझौते के तहत वह प्रशासनिक सेवाओं में बदलाव करने और पूरे ब्रिटेन के लोगों के लिए बेहतर सेवानिवृत्ति परिणाम देने में मदद करेगी। आईटी सेवा प्रदाता कंपनी नेस्ट के पेंशन योजना के लिए लाने के इरादे से टीसीएस अपने मंच बैस को तैनात करेगी और नेस्ट के 1.2 करोड़ सदस्यों और 10 लाख कर्मियों को सही समय पर सही सूचना तक पहुंच देगी। टीसीएस के अध्यक्ष (बीएफएसआई उत्पाद एवं मंच) विवेकानंद रामगोपाल ने कहा कि पिछले 12 साल से कंपनी नेस्ट के साथ मिलकर ब्रिटेन के लोगों को कामयाब पेंशन योजना देने में मदद करती रही है और अब इसे भविष्य के लिए भी विस्तार दिया जा रहा है।



स्नैपचैट ने भारतीय यूजर्स के लिए पेश किए दो नए एआर लेंस

मुंबई । पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट ने देश में यूजर्स के लिए दो नए निकनेम-थीम वाले ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) लेंस पेश किए। रिपोर्ट के अनुसार, नए एआर लेंस इंडियाज टॉप निकनेम्स और माय निकनेम हैं। कंपनी ने कहा कि इंडियाज टॉप निकनेम्स लेंस में देश के पसंदीदा निकनेम की विशेषता वाले पांच बीस्मोक डिजाइन शामिल हैं। इतना ही नहीं, पहली बार भारतीय अपना निकनेम बनाने के लिए माई निकनेम लेंस को कस्टमाइज कर सकते हैं। कंपनी ने भारतीय निकनेम कल्चर पर यूजीओवी के साथ साझेदारी में नया रिसर्च भी जारी किया, जिससे निकनेम्स के साथ लोगों के आकर्षण का पता चलता है। रिसर्च के अनुसार, भारतीय युवा अपने उपनामों (निकनेम्स) का ऑनलाइन उपयोग करना पसंद करते हैं। आंकड़ों से पता चला कि 96 प्रतिशत से अधिक भारतीयों के जीवन में कम से कम एक निकनेम रहा है। स्नैपचैट के डायरेक्टर, मीडिया पार्टनरशिप- एपीएसी कनिष्क खन्ना ने कहा कि निकनेम भारतीय जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है और हमें हमारे वास्तविक कनेक्शन-दोस्तों या परिवार द्वारा दिया जाता है। कंपनी ने कहा कि सोनू, बाबू, माचा, शोना और पिंकी देश में सबसे लोकप्रिय प्रचलित निकनेम हैं। नए लेंसों का उपयोग करने के लिए, यूजर्स को केवल लेंस कैरोसेल में एन टॉप निकनेम्स और माई निकनेम इन को सर्च करना होगा।

हैकर ने टेस्ला का एक हिडन फीचर खोजा

वाशिंगटन । एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के एक सॉफ्टवेयर हैकर ने टेस्ला के एक हिडन फीचर एलन मोड की खोज की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस फीचर के जरिए टेस्ला के ग्राहक हैंड्स-फ्री फुल सेल्फ-ड्राइविंग कर सकते हैं। इस फीचर को खोजने वाले हैकर को ऑनलाइन ग्रीने थियोनली के नाम से जाना जाता है। कई सालों से ग्रीनथियोनली टेस्ला के वाहन कोड फीचर्स के बारे में गहराई से अध्ययन कर रहा था, जिसके दौरान उसे पता चला कि आधिकारिक तौर पर सक्रिय होने से पहले टेस्ला आपको अपनी पावर सीटों या मॉडल 3 के केंद्र कैमरे का उपयोग करने से कैसे रोक सकता है। ईलॉन मोड की खोज और उसे एक्टिवेट करने के बाद, हैकर ने इस सिस्टम का परीक्षण किया और अपने इस अनुभव की कुछ फुटेज भी ट्विटर पर पोस्ट की। हालांकि हैकर ने ईलन मोड के सटीक ऑन-स्क्रीन प्रतिनिधित्व का खुलासा नहीं किया, लेकिन उसका कहना है कि यह एक वास्तविक खोज है। हैकर ने अपनी खोज में यह भी पाया कि टेस्ला के फुल सेल्फ-ड्राइविंग सॉफ्टवेयर का उपयोग करते समय कार को उनके ध्यान की आवश्यकता नहीं थी।

गो फस्ट ने ऋणदाताओं से मांगे 600 करोड़

मुंबई । वित्तीय संकट का सामना कर रही घरेलू एयरलाइन गो फस्ट ने ऋणदाताओं की बैठक में एक बार फिर फंड की मांग की है। एयरलाइन दिवालिया प्रक्रिया का सामना कर रही है और अपने परिचालन को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रही है। बैंकिंग सूत्रों के अनुसार एयरलाइन 400 से 600 करोड़ रुपए के बीच अतिरिक्त धनराशि की मांग कर रही है और ऋणदाताओं को अगले 48 घंटों में प्रस्तावों का मूल्यांकन करने की उम्मीद है। हालांकि मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं होने के कारण किसी भी बैंकर ने अपनी पहचान का खुलासा नहीं किया। एक बैंकर ने कहा कि गो फस्ट की योजना जुलाई में परिचालन फिर से शुरू करने और 22 विमानों के साथ 78 रोजाना उड़ानें संचालित करने की है। हालांकि इसके लिए एयरलाइन को एविेशन सेक्टर के रेगुलेटर डीजीसीए से मंजूरी लेनी होगी। वहीं एक दूसरे बैंकर ने कहा कि परिचालन को फिर से शुरू करने की योजना रेगुलेटर की मंजूरी समेत कई कारकों पर निर्भर करती है। बता दें कि गो फस्ट दिवालियापन फाइलिंग में संदुल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक और डॉयचे बैंक को इसके लेनदारों में सूचीबद्ध किया गया है। इन सब से गो फस्ट एयरलाइन ने 6521 करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज लिया हुआ है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सीमा को लेकर तनाव

काबुल । अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार ने 130 वर्ष पुरानी पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा डुरंड लाइन की वैधता पर सवाल खड़े किए हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री और तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे मौलवी याक़ूब मजीद ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा रेखा को काल्पनिक रेखा बताया है। 2021 में तालिबान ने पाकिस्तानी जवानों को तारबंदी करने से रोक दिया था। अफगानिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी हिस्से वाले पश्तून इलाके पर अफगानिस्तान अपना दावा कर रहा है। जिससे अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव भी बढ़ रहा है।

मानवाधिकार का मुद्दा नहीं उठाएगा अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका भारत के साथ बड़ी डील करना चाहता है। जिसके कारण वह कई मुद्दों पर असहमत होते हुए भी, शांत रहेगा। अमेरिका की पूरी कोशिश है,कि भारत के साथ जिन मुद्दों पर अमेरिका की डील होनी है। उसको करने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री के साथ सकारात्मक रुख अपनाया जाए। मानव अधिकार और लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर अमेरिका की राय पिछले महीनों में व्यक्त कर रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता करते समय अमेरिकी प्रशासन अब इन मामलों में मौन रखेगा। अमेरिका का पूरा ध्यान रक्षा सौदा, चीन और रूस के साथ संबंधों और यूक्रेन को लेकर भारत के साथ आपसी सहमति और भागीदारी बढ़ाने के ऊपर पूरा फोकस रहेगा। विवादित मुद्दों को अमेरिका हात-फिलहाल लाल बस्ते में बांधकर अमेरिका ने रख दिया है।

टाइटैनिक का मलबा देखने गए पनडुब्बी में सवार सभी लोगों की मौत ?

वॉशिंगटन । टाइटैनिक का मलबा देखने गए सभी लोगों की मौत होने की पु्ष्टि की जा रही है। हालांकि समुद्र में गोता लगाने वाली उस पर्यटक पनडुब्बी को अभी भी खोजा जा रहा है जो रविवार को लापता हो गई थी। इस लापता पनडुब्बी में एक पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश अरबपति और उनका बेटा समेत 5 लोग सवार हैं। अमेरिकी नौसेना समेत दुनिया भर से बचावदल रविवार को लापता हुई इस पनडुब्बी को खोजने में लगे हैं, लेकिन इसका कोई सुराग नहीं लगा है। गणना के हिसाब से पनडुब्बी में सवार लोगों के पास कुछ ही घंटे का ऑक्सीजन बचा है, लेकिन अब एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि शायद ऑक्सीजन होने के बावजूद उसमें सवार सभी लोग पहले ही मर चुके हों। बुधवार को आई रिपोर्ट के मुताबिक जब इस पनडुब्बी ने डुबकी लगाई थी तब इसमें 96 घंटे का ऑक्सीजन था। लेकिन गोता लगाने के कुछ देर बाद ही पनडुब्बी गायब हो गई और तब से इसका ऑक्सीजन लेवल लगातार घट रहा है। माना जा रहा है कि गुरुवार की सुबह 11 या 12 बजे तक ऑक्सीजन पूरी तरह खत्म हो गया होगा। हालांकि रॉयल नेवी के रिटायर्ड अनुभवी डाइवर र सिंक्लेयर ने दावा किया है कि संभव है कि पनडुब्बी में सवार सभी लोग जहरीली कार्बन डाइऑक्साइड से मर गए हों। इस मामले में मीडिया से बात करते हुए र सिंक्लेयर ने कहा, इन पनडुब्बियों में बैटरियां होती हैं, जो सीमित समय तक ही चलती हैं। इनमें कार्बनडाइऑक्साइड स्क़बर होते हैं जो सीओ2 को अवशोषित कर लेती हैं। अगर ये काम न करें तो ऑक्सीजन खत्म होने से पहले ही लोगों का दम घुट सकता है। जहरीली गैस उन्हें पहले ही मार डालेगी। अंदर गैस भरने से उन्हें बहुत जल्दी नींद आ जाएगी और वह धीरे-धीरे मर जाएंगे। सीओ2 को कहीं भी निकलने की जगह नहीं है और मुझे डर है कि वह पहले ही मर चुके होंगे।

12000 प्रवासी भारतीय वाशिंगटन पहुंचे, डबल किराया, होटल फुल

वाशिंगटन । भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। इस अवसर पर अमेरिका के 50 राज्यों से 12,000 से अधिक प्रवासी भारतीय वाशिंगटन डीसी पहुंचे हैं। व्हाइट हाउस के आसपास के सभी होटल फुल हैं। किराया भी लगभग दोगुना हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिन यहां के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। अमेरिका के विभिन्न राज्यों से जो प्रवासी भारतीय वाशिंगटन पहुंच रहे हैं। उसको देखते हुए हवाई जहाज में भी किराया बढ़ गया है। जो किराया 25000 रुपये था। वह बढ़कर 75000 रुपये तक हो गया है। वहीं जो होटल का रुम 12 से 15000 रुपये में मिल रहा था। वह बढ़कर 25 से 30000 रुपये में हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखते हुए बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीयों को वाशिंगटन पहुंचने का आमंत्रण दिया था। जिसके कारण 12000 से अधिक प्रवासी भारतीय वाशिंगटन डीसी में 2 दिन तक बने रहेंगे।

ड्रेगन बोट फेस्टिवल के दौरान रेस्तरां में भयंकर विस्फोट, 31 की जलकर मौत

बीजिंग । उत्तर-पश्चिमी चीन में ड्रेगन बोट फेस्टिवल के दौरान रेस्तरां में हुए सिलेंडर विस्फोट में 31 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार यहां एक ‘बारबेक्यू’ रेस्तरा में रसोई गैस से भीषण विस्फोट हुआ जिसमें 31 लोगों की मौत हो गई और 7 अन्य लोग बुरी तरह से घायल हुए हैं। चीन के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निगिया हुई स्वायत्त क्षेत्र की राजधानी यिनयुआन में बुधवार को एक व्यस्त सड़क पर लोग ड्रेगन बोट फेस्टिवल की छुट्टियों की पूर्व संध्या पर इकट्ठा हुए थे। इस त्योहार पर राष्ट्रीय अवकाश रहता है। तभी रात करीब 8:40 बजे विस्फोट होने से वहां हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से झुलसने 7 लोगों का फिलहाल उपचार किया जा रहा है। यहां पर लोग शीशे टूटने की वजह से भी वह बुरी तरह घायल हो गए। सभी का बेहतर तरीके से इलाज किया जा रहा है। इसके बाद येन नामक महिला ने बताया कि जब उसने विस्फोट की आवाज सुनी तो वह रेस्तरां से करीब 50 मीटर की दूरी पर थी। महिला ने बताया कि इसके बाद उसने दो कर्मचारियों (वेटर) को रेस्तरां से बाहर निकलते देखा जिनमें से एक गिर गया। रेस्तरां से धुआं निकल रहा था और रसोई गैस की तेज गंध पूरे क्षेत्र में फैल गई। वहीं केंद्र सरकार के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने अपने सोशल मीडिया पर रेस्तरां में खोज तथा बचाव कार्य बृहस्पतिवार सुबह पूरा होने की जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि विस्फोट के कारण का पता लगाने के लिए जांच अधिकारियों को मौके पर भेजा गया है। गौरतलब है कि सुरक्षा में सुधार के सालों के प्रयासों के बावजूद चीन में गैस और रासायनिक विकेटों के कारण दुर्घटनाएं असामान्य नहीं हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2015 में भी उत्तरी बंदरगाह शहर लियानजिन में विस्फोट में 173 लोग मारे गए थे।

अज्ञात विस्फोट में 29 लोग हुए घायल, 4 की हालत गंभीर, दो लापता

पेरिस । मध्य पेरिस में हुए एक बड़े विस्फोट में 29 लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह धमाका एक इमारत में हुआ, जहां एक डिजाइन स्कूल और रुप सेंट-जेव्स में वैशालिक शिक्षा प्रणाली का मुख्यालय स्थित है। आपातकालीन कर्मचारी इमारत के मलबे में से लोगों को खोज रहे हैं, कम से कम दो के लापता होने की सूचना है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट से पहले गैस की तेज गंध थी। पेरिस के अभियोजक लॉर बेकूआउ ने घटनास्थल पर पहुंचने के बाद कहा कि कैमरा फुटज की शुरुआती जांच से पता चलता है कि विस्फोट इमारत के भीतर हुआ, जो वैल डे ग्रेस चर्च के बगल में था। हालांकि, अधिकारियों ने कहा है कि अभी तक विस्फोट के कारणों का पता नहीं चला है। वहीं पेरिस के पुलिस प्रमुख लॉरेंट नुनेज ने कहा कि शुरुआत में इमारत में आग लगी थी, लेकिन बाद में आग पर काबू पा लिया गया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इलाके की घरबंदी कर दी गई है और पेरिस की मेयर ऐनी हिडाल्गो घटनास्थल पर हैं, जबकि गृहमंत्री गेराल्ड डर्मिनन ने लोगों को इस क्षेत्र से दूर रहने की चेतावनी दी है। बताया जा रहा है कि जिस क्षेत्र में विस्फोट हुआ वह पेरिस के लेपेट बंद क्षेत्र में लैटिन क्वार्टर से दक्षिण की ओर चलता है जो पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है और अपनी छात्र आबादी के लिए जाना जाता है। बुलेवार्ड सेंट-मिशेल पर एक प्रत्यक्षदर्शी इकोले डेस माइन्स के एक छात्र ने बताया कि मैं वैल डे ग्रेस के सामने था, मैंने एक बड़ा उछाल सुना और मैंने आग की 20 या 30 मीटर ऊंची उछाली एक गंदे दीखी। तेज आवाज हुई और इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। मुझे डर के गंध आई, लेकिन मुझे होश में आने में कई मिनट लगे। एक अन्य चरमदर्द एंटोनी ब्रोचॉट ने बताया कि जब उसने बड़ा धमाका सुना तो वह घर पर था।



समरसेट में पारंपरिक वेशभूषा में ग्लेसटोनबरी समारोह में भाग लेते हुए लोग।

मोदी के अमेरिका पहुंचते ही एच-1बी वीजा में ढील देने को तैयार हुए बाइडन

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे लाखों भारतीयों के लिए एक अच्छी खबर आ रही है। जानकारी के मुताबिक बाइडन प्रशासन ने अमेरिका में रहने और काम करने वाले लाखों भारतीयों के लिए एच-1बी वीजा नियमों में ढील देने का मन बनाया है। बाइडन प्रशासन के इस फैसले से हजारों कुशल भारतीयों वर्कर्स को अमेरिका में दखिल होने या फिर रहने पर सुविधा मिलेगी। प्रशासन के करीबी सूत्रों की तरफ से इस बात की जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि भारत क पीएम मोदी 21 जून को वॉशिंगटन पहुंचें जहां गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका स्वागत किया गया। 22 जून को पीएम मोदी, राष्ट्रपति बाइडन के साथ हो रही है। गौरतलब है कि एच1बी वीजा प्रोग्राम के सबसे ज्यादा यूजरस भारतीय हैं। वित्तीय वर्ष 2022 में इस प्रोग्राम के तहत 73 फीसदी भारतीयों को फायदा हुआ। जबकि कुल 442,000 वर्कर्स ने इसके लिए अप्लाई किया था। अब विदेश विभाग की तरफ से जल्द ही इसका ऐलान किया जाएगा। गुरुवार को ही इस बारे में आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।

वीजा रिन्यू करने में अब दिक्कत नहीं आएगी। इस ऐलान के बाद कुछ भारतीय और दूसरे विदेशी वर्कर्स को विदेश जाए बिना अमेरिका में ही अपने वीजा को रिन्यू करने का मौका मिल सकेगा। सरकार द्वारा आने वाले समय में इसे एक पायलट प्रोग्राम के तहत बढ़ाया जा सकता है। इस संबन्ध में एक और अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि हम सभी मानते हैं



कि हमारे लोगों की गतिशीलता हमारे लिए एक बड़ी संपत्ति है। इसलिए हमारा लक्ष्य इसे बहुमुखी तरीके से अपनाना है। क्योंकि विदेश विभाग पहले से ही चीजों में बदलाव लाने के लिए रचनात्मक तरीके खोजने के लिए बहुत कड़ी मेहनत कर रहा है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अभी किस प्रकार के वीजा इस प्रोग्राम के योग्य होंगे या फिर पायलट प्रोग्राम को लॉन्च करने का समय क्या होगा।

प्रवक्ता ने कहा कि अगले एक से दो साल के अंदर इस प्रोग्राम को विस्तृत करने के इरादे से कम

संख्या के पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत होगी। उन्होंने इस प्रोग्राम को छोटा बताने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि प्रोग्राम के कुछ तरीकों को बदला जा सकता है। हर साल, अमेरिकी सरकार कुशल विदेशी श्रमिकों की तलाश करने वाली कंपनियों को 65,000 एच-1बी वीजा उपलब्ध कराती है। इसके अलावा एडवांस्ड डिग्री वाले प्रोफेशनल्स के लिए अतिरिक्त 20,000 वीजा मुहैया कराती। वीजा तीन साल तक चलता है। इसे अगले तीन साल के लिए रिन्यू किया जा सकता है।

खेती के बहाने 10 लाख एकड़ जमीन पर कब्जा करने की साजिश हाईकोर्ट ने की नाकाम

– हाईकोर्ट ने कहा, सरकार के पास जमीन सेना को सौंपने का संवैधानिक अधिकार नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना खेती के बहाने जमीन कब्जाने में लगी थी लेकिन उसकी इस साजिश को लाहौर हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने कॉर्पोरेट खेती के लिए 10 लाख एकड़ की सरकारी जमीन पाकिस्तानी सेना को देने का फैसला किया था। लेकिन लाहौर हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि सरकार के पास इसे सेना को सौंपने का संवैधानिक अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट की एकल-न्यायाधीश पीठ ने 134 पन्नों का आदेश दिया। आदेश में कहा गया कि न तो पंजाब की कार्यवाहक सरकार के पास कॉर्पोरेट खेती के लिए भूमि आवंटित करने का संवैधानिक जनादेश है, और न ही पाकिस्तान की सेना के पास कॉर्पोरेट खेती में उतरने का अधिकार है। अपने फैसले में जस्टिस आबिद हुसैन चड्ढ ने लिखा की कॉर्पोरेट खेती के लिए सेना को आवंटित कोई भी भूमि पंजाब सरकार को वापस कर दी जाए। इसके

साथ ही सशस्त्र बलों के प्रत्येक सदस्य को उसके संवैधानिक जनादेश और उसके उत्थेन के परिणामों के बारे में बताया जाए। जज ने हाईकोर्ट के आदेश की एक कॉपी केंद्र सरकार, रक्षा मंत्रालय, सेना प्रमुख, नौसेना और वायुनिदेशक के प्रमुखों को भेजने को कहा है। पाकिस्तान के एक टीवी चैनल के मुताबिक याचिकाकर्ता के वकील राफे आलम ने कहा है कि यह फैसला लोकतंत्र और कानून के शासन में विश्वास करने वाले लोगों के लिए एक बड़ी जीत है। इस साल पाकिस्तानी सेना के रणनीतिक परियोजनाओं के महानिदेशक ने पंजाब के राजस्व बोर्ड को पत्र लिखा था। इसमें उसने कॉर्पोरेट कृषि खेती के लिए पंजाब में 10 लाख एकड़ की सरकारी जमीन की मांग की थी। पाकिस्तानी सेना ने अपने पत्र में तेल और खाने-पीने की बढ़ती कीमतों को पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था और उसके कृषि क्षेत्र के लिए एक गंभीर चुनौती बताया और कहा कि उसके पास बंजर भूमि को विकसित करने का अनुभव है। इस परियोजना में सेना ने 10,000 से 15,000 एकड़ सिंचाई वाली भूमि को तत्काल देने को कहा था। इसके बाद 1 मार्च तक 1 लाख एकड़ और फिर अप्रैल तक शेष भूमि देने का प्रस्ताव रखा था।

इंद्र देव का आशीर्वाद: राष्ट्रगान का सम्मान, वाशिंगटन में बारिश में खड़े रहे प्रधानमंत्री मोदी

वाशिंगटन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार सुबह वाशिंगटन डीसी पहुंचे। उन्हें हवाई अड्डे के टैक्सीवे में राष्ट्रगान के लिए खड़े होकर बारिश का सामना करते हुए देखा गया। वाशिंगटन डीसी पहुंचने पर पीएम मोदी ने बारिश को %इंद्र देवता की कृपा% बताया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि भारतीय समुदाय की गर्मजोशी और इंद्र देवता के आशीर्वाद ने आगमन को और भी खास बना दिया। हवाई अड्डे पर पीएम मोदी पहुंचे जो

जोरदार बारिश होने लगी। इस दौरान पीएम का औपचारिक स्वागत किया जा रहा था। दोनों देशों के राष्ट्रगान भी बजाए गए। राष्ट्रगान जब बज रहा था, तो जोरदार बारिश हो रही थी। राष्ट्रगान के सम्मान में एयरपोर्ट पर मौजूद सभी लोग सावधान की मुद्रा में खड़े रहे। इस दौरान पीएम मोदी भी वहीं खड़े होकर रहे। बारिश में मोदी भीगते रहे। लेकिन राष्ट्रगान के सम्मान में आगमन को और भी खास बना दिया।

राष्ट्रपति बाइडेन और प्रथम महिला

जिल बाइडेन ने व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। अंदर जाने से पहले उन्होंने तस्वीरें खिंचवाईं। इस दौरान वे बातचीत करते भी दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति बाइडन के परिवार के करीबी सदस्यों से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने निजी रात्रिभोज पर एक संक्षिप्त बयान में कहा कि प्रधानमंत्री का इस विशेष कार्यक्रम का हिस्सा होना दोनों देशों के बीच सधुर मित्रता की पुष्टि करता है।

कुछ एलियन उठाकर ले गए थे मुझे : ग्वेन ब्लाइडे

–47 साल की महिला ने किया यह दावा

वॉशिंगटन । अमेरिकन महिला ग्वेन ब्लाइडे का दावा है कि अब से करीब 30 साल पहले कुछ दूसरे ग्रह के लोगों ने उसे अगवा कर लिया था। उनकी कैद से छूटने के बाद भी अगले 30 सालों तक उसे कुछ याद नहीं रहा लेकिन वो इस घटना के बारे में साफ तौर पर बता सकती है। अब अपनी जदिगी में सेट हो चुकीं 47 साल की ग्वेन ब्लाइडे कहती हैं कि उन्हें कुछ एलियन उठाकर ले गए थे। वे तब 18 साल की थीं और अपने अपने दोस्त के साथ सफोल्क में एयरबेस के पास मौजूद थीं। बाहर अंधेरा था और रात के 1 बज रहे थे। उन्हें एक लाल रोशनी आती दिखी। धीरे-धीरे ये 6 रोशनियां हो गईं और वे घूमने लगीं। वे घर की ओर भागे और रोशनी उनके पीछे पड़ी हुई थी। ये काफी विशाल होती जा रही थी। ग्वेन का कहना है कि उन्होंने घर पहुंचकर इस बारे में अपनी डायरी में लिखा था, लेकिन अब वो भी गायब है। वे बताती हैं कि अगले एक घंटे तक क्या हुआ, उन्हें कुछ पता ही नहीं चला। अब उन्हें इतना याद है कि उन्हें कुछ थे यानि स्लेटी रंगो वाले जीव इस्पेक्ट कर रहे थे। उनकी आंखें बादाम जैसी थीं और वे काफी लंबे और बेलनाकार थे। वे बताती हैं कि बिल्कुल ऐसा लग रहा था जैसे मैं सिव्व ऑफ हूं लेकिन ये याद है कि वे लोग एक मेज के चारों तरफ मुझे घेरे हुए खड़े थे। ग्वेन के इस दावे में कितनी सच्चाई है ये तो हम नहीं कह सकते लेकिन ये पिछले दावों से काफी मिलती-जुलती कहानी है, जो कई लोग सुना चुके हैं। बता दें कि विज्ञान आज की दुनिया में काफी प्रगति कर चुका है। हालांकि आज भी कुछ ऐसे सवाल हैं, जिसका जवाब वैज्ञानिकों के पास नहीं है। ऐसे ही दिलचस्प सवालों से ये एक थे है कि हमारी दुनिया से अलग भी क्या कोई ऐसा ग्रह है, जहां लोग रहते हैं या फिर ये दूसरे ग्रहों के लोग दिखते कैसे हैं? इस पर कोई ठोस जवाब तो नहीं है लेकिन कहानियां आपको बहुत सारी मिल जाएंगी।

पुतिन को न्योता देने को लेकर दुविधा में फंसा भारत

– क्या अमेरिकी राष्ट्रपति को मना पाएंगे प्रधानमंत्री मोदी? रूस की पैनी नजर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पुतिन को न्योता देने को लेकर भारत अभी दुविधा में फंसा हुआ है और वाइस ऑफ अमेरिका को रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी बाइडन के साथ मुलाकात के दौरान इस पूरे मामले पर बात कर सकते हैं। भारत को जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए अतिथियों की लिस्ट फाइनल करनी है। अमेरिका के साथ जहां भारत की नजदीकी बढ़ रही है, वहीं रूस भारत का दशकों से सबसे करीबी मित्र है। ये दोनों ही देश जी-20 के सदस्य देश हैं लेकिन इस यूक्रेन युद्ध को लेकर दोनों के बीच जंग जैसे हालात हैं।

यूक्रेन को अमेरिका ने अरबों डॉलर के हथियार और आर्थिक मदद दी है। वहीं रूस अमेरिका के इस कदम से भड़का हुआ है। इससे दोनों ही महाशक्तियों के बीच तनाव अपने चरम पर है। अमेरिका की कोशिश है कि पुतिन को किसी तरह से दुनिया में अछूत बना दिया जाए। पुतिन पर युद्धपराध के आरोप लगे हैं और गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। ऐसे में भारत का पुतिन को बुलाना अमेरिका को नाराज कर सकते हैं। इससे पहले जी7 देशों के बायकॉट के खतरे को देखते हुए जी-20 के पूर्व अध्यक्ष इंडोनेशिया ने रूस से पुतिन की बजाय विदेश मंत्री स्पेई लावरोव को भेजने का अनुरोध किया था।

यही नहीं इंडोनेशिया ने किसी तरह से रूस को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को भी वचुअली शामिल होने पर सहमत किया था। अब यूक्रेन फिर चाहता है कि जेलेंस्की को जी-20 के शिखर सम्मेलन में शामिल होने का न्योता दिया जाए। भारत ने साफ कर दिया है कि वह जेलेंस्की को नहीं बुलाने जा रहा है। अब भारत पुतिन को बुलाने को लेकर फंसा हुआ है। अगर भारत पुतिन को नहीं बुलाता है तो यह रूस को नाराज कर सकता है। इससे पहले भारत ने एससीओ के शिखर सम्मेलन को वचुअल कर दिया है जिसमें रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत आना था। इससे कई एससीओ देश खुश नहीं हैं। यही वजह है कि अब बाइडन और मोदी की इस शिखर बैठक पर रूस की भी करीबी नजर बनी हुई है।

वर्षों तक संबंधों को मजबूत करने के बाद अमेरिका-भारत साझेदारी गहरी हुई: जिल बाइडन



भोजन में मछली का विकल्प भी रखा गया है। प्रथम महिला जिल बाइडन ने कहा कि वर्षों तक संबंधों को मजबूत करने के बाद अमेरिका-भारत साझेदारी गहरी तथा व्यापक हुई है क्योंकि दोनों देश संयुक्त रूप से वैश्विक चुनौतियों से निपटते हैं। जिल बाइडन ने बुधवार को कहा, “इस आधिकारिक राजकीय यात्रा के साथ हम दुनिया के सबसे पुराने और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों को एक साथ ला रहे हैं।” राष्ट्रपति बाइडन और प्रथम महिला के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21-24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर हैं। जिल बाइडन ने कहा “वर्षों संबंधों को मजबूत करने के बाद अमेरिका-भारत साझेदारी गहरी और व्यापक हुई है क्योंकि हम संयुक्त रूप से वैश्विक चुनौतियों से निपटते हैं, लेकिन हमारा रिश्ता केवल सरकारों तक सीमित नहीं है।”

उन्होंने रात्रिभोज के ‘मेन्यू’ का पूर्वावलोकन करते हुए कहा, “ हम उन परिवारों तथा वेस्ती का जश्न मना रहे हैं जो दुनिया भर में बसे हैं और जो दोनों देशों के बीच संबंधों को महसूस करते हैं।” प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए व्हाइट हाउस में आयोजित रात्रिभोज में आमंत्रित 400 मेहमानों के लिए ‘मेन्यू’ में मैरीनेट किया हुआ बाजरा, मकई का सलाद और भरवां मशरूम शामिल हैं। जिल बाइडन ने बताया प्रधानमंत्री मोदी शाकाहारी हैं, इसलिए उन्होंने शाकाहारी व्यंजनों में माहिर शेफ नीना कर्टिस को तत्काल देने को कहा था। इसके बाद एक शानदार शाकाहारी ‘मेन्यू’ तैयार करने के लिए एक शेष भूमि देने का प्रस्ताव रखा था।

मुख्य भोजन में भरवां पोटेंबेलो मशरूम और एक मलाईदार केसर-युक्त रिसोट्टो शामिल है। मोटे में गुलाब और इलायची वाले स्क्विरी शॉर्टकेक और अन्य व्यंजन शामिल हैं। कैलिफोर्निया की शेफ कर्टिस ने कहा, “प्रथम महिला के साथ काम करना और उनकी पाक कला को समझना व उसके अनुरूप व्यंजन तैयार करना वास्तव में खुशी की बात है.. हमने एक ऐसा ‘मेन्यू’ तैयार किया है जो वास्तव में अमेरिकी व्यंजनों का दर्शाता है, जिसमें भारतीय स्वाग का तड़का लगाया गया है।” शेफ ने कहा, “ हम इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष मनाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। हमने अपने ‘मेन्यू’ में मैरीनेटेड बाजरा और भारतीय व्यंजन से जुड़े तत्वों को शामिल किया है।



स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रिट्व बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटुआ मौजा, प्लॉट नं.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एन्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*), फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshbranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)

